तापमान
अधिकतम 27 .5 डिग्री
न्यूनतम 12 .5 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 2 मार्च 2025

8 समकालीन डेटा विज्ञान में सांख्यिकी की महत्ता को ...

10 सफेद सूट गले में लिपटी थी चुन्नी, हाथों में मेहंदी ..

खबर संक्षेप

आज नहीं होगा मासिक वैदिक सत्संग

रोहतक। आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा दयानदमठ के कार्यालयाधीक्षक सत्यवान आर्य ने बताया कि 9 मार्च को दयानन्दमठ में आर्य महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसलिए इस बार महीने के प्रथम सप्ताह में होने वाला मासिक वैदिक सत्संग का आयोजन 2 मार्च रविवार को नहीं होगा।

10वीं के गणित के पेपर में ग्रेस मार्क्स की मांग

महम। शुक्रवार को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की दसवीं कक्षा की गणित विषय की परीक्षा दी। इस परीक्षा में कुछ सवाल सिलेबस से बाहर थे, जिस वजह से परीक्षार्थियों और उनके शिक्षकों ने गणित के पेपर में ग्रेस मार्कस देने की मांग की है। श्री राम सेकेंडरी स्कूल महम के निदेशक एवं रिटायर्ड हैडमास्टर रमेश गिरधर ने बताया कि दसवीं कक्षा के गणित के पेपर में कुछ प्रश्न सिलेबस से बाहर से आए थे, जिस वजह से इस संबंध में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड में शिकायत दी गई और बच्चों को इस पेपर में ग्रेस मार्कस दिए जाने की मांग की है।

चोरी की वारदात में 5 आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने भैस चोरी की वारदात में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश करके 5 दिन के रिमांड पर लिया गया है। कलानौर थाना प्रभारी सतपाल सिंह ने बताया कि सांगाहेडा निवासी अवतार की शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके जांच शुरु की गई। जांच में सामने आया कि 6 जनवरी को अवतार सुबह करीब 4 बजे अपने पशुओं के घेर में गया तो उसे अपनी तीन भैस नहीं मिली।

होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में संवाद सत्र का आयोजन

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में संवाद सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के पर्यटन और होटल प्रबंधन विभाग के प्रोफेसर डॉ. सैयद इनायत जैदी ने शोधार्थियों के साथ संवाद किया। प्रो. सैयद इनायत जैदी ने शोधार्थियों के साथ ऐतिहासिक दृष्टिकोण और उभरते उद्योग परिदृश्य के बीच संबंध स्थापित करते हुए आतिथ्य और पर्यटन अनुसंधान में समकालीन रुझानों और प्रथाओं पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। पर्यटन और आतिथ्य के विभिन्न आयामों पर विस्तार से बताया, अंतःविषय संबंधों पर प्रकाश डाला।

निगम चुनाव : जिले में 285 मतदान केंद्र बनाए गए, 19 मतदान केंद्र अति संवेदनशील घोषित

सभी तैयारियां पूरी, सुबह 8 से शाम 6 बजे तक वोटिंग, पोलिंग पार्टियां मतदान केंद्रों पर पहुंचीं

- नगर पालिका कलानौर के लिए बीडीपीओ ऑफिस में बनाया स्ट्रॉन्ग रूम
- जिला प्रशासन शहरी स्थानीय निकाय आम चुनाव के दृष्टिगत सुरक्षा के किए गए पुख्ता प्रबंध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नगर निगम के चुनाव के लिए आज रविवार को वोटिंग होगी। सुबह 8 बजे से मतदान शुरू हो जाएगा और शाम 6 बजे तक संपन्न होगा। इससे पहले सुबह 7 बजे मॉक पोल करवाया जाएगा। इसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुरक्षा के मद्देनजर नगर निगम रोहतक तथा नगरपालिका कलानौर के क्षेत्रों में स्थित सभी मतदान केन्द्रों व मतगणना केन्द्रों की 100 मीटर की परिधि में मतदान करने वाले मतदाताओं तथा अन्य अधिकृत व्यक्तियों के अलावा अन्य किसी भी व्यक्ति की गतिविधि पर पाबंदी लगाने के आदेश जारी किए हैं। इन आदेशों के तहत उपरोक्त परिधि में किसी व्यक्ति द्वारा किसी प्रकार का टेलीफोन, सेल्यूलर, मोबाईल फोन, कोडलैस फोन, वायरलेस सैट आदि ले जाने पर भी प्रतिबंध रहेगा। नगर निगम की पोलिंग करवाने के लिए सीआर कॉलेज ऑफ एजुकेशन से मतदान पार्टियां मतदान केंद्रों के लिए रवाना हो गई। नगर पालिका कलानौर के लिए भी मतदान पार्टियां मतदान केंद्रों पर पहुंच चुकी थी।

आवश्यक निर्देश दिए

जिला निर्वाचन अधिकारी धीरेंद्र खड़गटा ने कहा कि चुनाव को पारदर्शी एवं निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न करवाना ही मतदान पार्टियों की पहली ड्यूटी होती है। मतदान पार्टियों के सदस्यों का मतदान के दौरान व्यवहार भी सही होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मतदान पार्टियां न केवल निष्पक्षता से मतदान करवाएं बल्कि उनका निष्पक्ष व्यवहार नजर भी आना चाहिए। सभी मतदान पार्टियां लोकतंत्र के इस पर्व में अपनी सकारात्मक आहुति डालने का काम करें। जिला निर्वाचन अधिकारी धीरेंद्र खड़गटा शनिवार को सीआर कॉलेज ऑफ एजुकेशन में मतदान पार्टियों की रवानगी के दौरान आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, नगर निगम आम चुनाव की निर्वाचन अधिकारी एवं क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण की सचिव मेजर गायत्री अहलावत व सभी सहायक निर्वाचन अधिकारी भी मौजूद रहे।

पोलिंग पार्टियां रवाना

पुलिस को दिशा निर्देश देते एएसपी

उपायुक्त मौके पर निर्देश देते हुए

ईवीएम लेने पहुंचे कर्मी

ईवीएम की सही जानकारी होनी चाहिए

धीरेंद्र खड़गटा ने निर्देश दिए कि सभी मतदान पार्टियां चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित समय पर 2 मार्च को सुबह ठीक 8 बजे मतदान शुरू करवाना सुनिश्चित करें तथा इससे पूर्व मॉक पोल की प्रक्रिया को भी पूर्ण करवाएं। मतदान पार्टियों को ईवीएम मशीन की सही जानकारी होनी चाहिए। अगर किसी की कुछ जानकारी कम है तो वे अपने साथी से पूछ लें। मतदान संपन्न होने के बाद ईवीएम मशीन को सही ढंग से क्लोज भी करना है।

प्रशासन के पुख्ता प्रबंध

धीरेंद्र खड़गटा ने कहा कि सभी मतदान पार्टियां अलॉट किए गए वाहनों से ही पोलिंग बूथ पर जाएं तथा मतदान संपन्न होने के बाद ईवीएम जमा करवाने के लिए अलॉट किए गए वाहनों से ही वापिस आएं। उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया में अपने चुनाव आयोग की हिदायतों की पालना करें। उन्होंने कहा कि चुनाव पारदर्शी एवं निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न करवाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा पुख्ता प्रबंध किए गए हैं।

हथियारों पर प्रतिबंध

जिलाधीश धीरेंद्र खड़गटा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नगर निगम रोहतक तथा नगरपालिका कलानौर के आम चुनाव के दृष्टिगत मतदान एवं मतगणना के दिन मतदान केन्द्रों व मतगणना केन्द्रों की 200 मीटर की परिधि में पांच या इससे अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने या हथियार आदि लेकर चलने पर पाबंदी लगाने के आदेश जारी किए हैं। जारी किए गए आदेश के तहत मतदान केन्द्रों व मतगणना केन्द्रों की 200 मीटर की परिधि में विस्फोटक, तलवार, गंडासा, लाठी, बरछा, कुल्हाड़ी, जेली, चाकू व अन्य हथियार ले जाने पर प्रतिबंध लगाया है।

अपनी ड्यूटी देखते पुलिसकर्मी

ड्यूटी पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी: एएसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एएसपी वाएवीआर शशि शेखर ने शनिवार को नगर निगम व नगर पालिका कलानौर के आम चुनाव के लिए ड्यूटी को रवाना करने से पहले छोटूराम पॉलिटेक्निक रोहतक के मैदान में सभी अधिकारियों-जवानों को संबोधित किया। साथ ही चुनाव ड्यूटी बारे, चुनाव आयोग के दिशा-निर्देश तथा आदर्श आचार संहिता बारे विस्तार से अवगत कराया। एएसपी ने जवानों को कहा कि चुनाव ड्यूटी सबसे अहम ड्यूटी होती है। संयम व जोश के साथ अपनी ड्यूटी करें। निष्पक्षता व तटस्थ रहकर अपना कार्य करें। मतदान केंद्र के निश्चित किए गए दायरे के अंदर कोई भी प्रचार सामग्री, वाहन या व्यक्ति खड़ा नहीं होना चाहिए। मतदान केंद्र के अंदर कोई भी व्यक्ति मोबाइल फोन लेकर लेकर अंदर नहीं जाने दिया जाएगा। कोई भी अनधिकृत व्यक्ति प्रवेश न करने पाए। बूथ ड्यूटी पर तैनात जवान बूथ पर ज्यादा भीड़ न होने दे। पुरुष व महिलाओं के लिए अलग-2 लाइन बनवाए।

चुनाव चिन्ह लेकर अंदर प्रवेश वर्जित

एएसपी वाएवीआर शशि शेखर ने बताया कि मतदान केंद्र के अंदर कोई भी मतदाता किसी भी प्रत्याशी का चुनाव चिन्ह लेकर अंदर प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। पोलिंग बूथ पर किसी भी व्यक्ति को हथियार, असला आदि न लेने जाने दिया जाए। बैगर प्रेजाइडिंग ऑफिसर की अनुमति के बूथ के अंदर प्रवेश नहीं करेगा। नियुक्त कर्मचारी ईवीएम जमा होने तक अपने प्रेजाइडिंग ऑफिसर के साथ रहेंगे। मतदान केंद्र के निश्चित किए गए दायरे (200 मीटर) के अंदर कोई भी प्रचार सामग्री, वाहन या व्यक्ति खड़ा नहीं होना चाहिए।

आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं

एएसपी वाएवीआर शशि शेखर ने बताया कि पेट्रोलिंग पार्टियां अपने-2 एरिया में निरंतर पेट्रोलिंग ड्यूटी करेंगी। मतदान केंद्र के चारों तरफ सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखे। अनुशासन बनाए रखे। ड्यूटी पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कानून तथा आदर्श आचार संहिता की उल्लंघना करने वाले व्यक्ति-व्यक्तियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करें।

मदवि वीसी प्रो. राजबीर सिंह ने परिसर की आधारभूत संरचना को जांचा

विकास परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने एमडीयू-सेंटर फॉर प्रोफेशनल एंड एलाइड स्टडीज (एमडीयू-सीपीएएस), गुरुग्राम की विजिट की और परिसर की शैक्षणिक प्रगति, छात्र कल्याण गतिविधियों और बुनियादी ढांचे का जायजा लिया। एमडीयू-सीपीएएस के निदेशक प्रो. प्रदीप के. अहलावत, लॉ समन्वयक डॉ. वीरेंद्र सिंधु और प्रबंधन समन्वयक डॉ. विजय राठी ने पुष्प गुच्छ भेंट कर कुलपति का स्वागत किया और संस्थान की प्रगति, गतिविधियों एवं भविष्य की योजनाओं बारे जानकारी दी। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने परिसर की आधारभूत संरचना का निरीक्षण किया और अधिकारियों को संस्थान की विकास परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए। प्रो. अहलावत ने कुलपति को संस्थान में कक्षाओं के सुचारू संचालन, अनुसंधान, सांस्कृतिक गतिविधियां, खेल, गुणवत्ता और छात्र कल्याण आदि की प्रमुख प्राथमिकताओं से अवगत करवाया।

रोहतक। कुलपति का स्वागत करते एमडीयू-सीपीएएस के निदेशक प्रो. प्रदीप के. अहलावत, लॉ समन्वयक डॉ. वीरेंद्र सिंधु और प्रबंधन समन्वयक डॉ. विजय राठी।

धामड़ निवासी युवकों पर फॉयरिंग के मामले में आरोपी धरा

रोहतक। पुलिस की सीआईए-2 की टीम ने धामड़ निवासी युवकों पर हुई फॉयरिंग व गोली लगने से मनीष की हुई मौत के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। सीआईए-2 प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि 8 फरवरी को पुलिस को सूचना मिली कि रिठाल नहर पुल पर गोलियां चली है व घायलों को पोजीट्रॉन अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस टीम ने तुंरत मौके पर पहुंचकर जांच शुरु की। गोली लगने से घायल हुए युवकों की पहचान सौरभ व मनीष निवासी धामड़ के रुप में हुई।

कार्यक्रम पीजीआईएमएस के हिपोक्रेटिक ओथ समारोह में बोले कुलपति डॉ. अग्रवाल

इंटर्न मरीज के प्रति रखें मानवता का भाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एक अच्छा चिकित्सक वही होता है, जिसके अच्छे व्यवहार से मरीज की आधी बीमारी वैसे ही ठीक हो जाती है, हमें मरीज की बात बड़े ही ध्यान से सुनते हुए उससे विनम्र स्वभाव के साथ पेश आना चाहिए। भगवान ने हमें इस काबिल बनाया है कि हम किसी को जीवनदान दे सकते हैं तो उसके लिए हमें समाज को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदान करना चाहिए। यह कहना है पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल का। वे शनिवार को नए इंटर्नस के स्वागत के लिए लैक्चर थियेटर वन में आयोजित किए गए हिपोक्रेटिक ओथ समारोह में मुख्यअतिथि के तौर पर उपस्थित हुई थे। कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने सभी इंटर्न और उनके मां-बाप को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इंटर्नशिप के दौरान सभी को विभिन्न विभागों में कार्य करने का और बहुत कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। इंटर्न को किसी भी ड्यूटी से पीछे नहीं हटना चाहिए क्योंकि कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। हमें हमेशा सिखते रहने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि सिखने की कोई उम्र नहीं होती, हम प्रतिदिन कुछ नया सिख सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने जूनियर का मार्गदर्शन करना चाहिए और अपने देश के वातावरण व बीमारी के हिसाब से अधिक से अधिक नई रिसर्च करने पर ध्यान देना चाहिए।

सोच सकारात्मक रखें

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि हमें अपनी सोच सकारात्मक रखते हुए कार्य करना चाहिए और हमें अपने से बड़ों का सम्मान करते हुए अपने जूनियर को हमेशा प्यार देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें हमेशा एक हैल्दी लाइफ स्टाइल जीवन पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने कार्य को ही पूजा समझना चाहिए और स्टेथोस्कोप को हमेशा अपने साथ रखना चाहिए।

सभी इंटर्न ने दिखाया जोश

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि एक अच्छा चिकित्सक वही होता है जिसका व्यवहार अच्छा होता है, हमेशा अच्छी वेशभूषा में रहता हो, सकारात्मक सोच रखता हो, मरीजों के प्रति मानवता का भाव रखता हो, इमानदारी से अपना कार्य करता हो। जिसके अंदर यह गुण होते हैं वह जीवन में बहुत अच्छे चिकित्सक के साथ बहुत अच्छा इंसान भी कहलाता है। डॉ अग्रवाल ने कहा कि आज सभी इंटर्न में काफी जोश दिखाई दे रहा है तो सभी बच्चों ने एकसाथ से जोरदार तालियां बजाकर जोश दिखाया।

189 नए इंटर्न ने लिया भाग

डीन डॉ. कुलदीप सिंह लालर ने सभी 189 नए इंटर्न को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन सभी इंटर्न को ताउम्र याद रहता है। डॉ. लालर ने कहा कि एनएमसी की गाइडलाइन के तहत आज तय समय अनुसार आज सभी नहीं इंटर्न की इंटर्नशिप शुरू की जा रही है। डॉ. लालर ने बताया कि प्रथम स्थान तनीषा, द्वितीय वाणी व तृतीय स्थान खुशी ने प्राप्त किया।

खबर संक्षेप

विद्यार्थियों ने तिलियार झील का भ्रमण किया

रोहतक। वैश्य महाविद्यालय के वनस्पति और जीव विज्ञान विभाग ने एक दिवसीय क्षेत्र भ्रमण का आयोजन किया, प्राचार्य डॉ संजय गुप्ता ने बताया कि छात्रों को तिलियार झील का भ्रमण करवाया गया। वहां छात्रों ने चिड़ियाघर, झील का आनंद लिया। सभी बीएससी मेडिकल के छात्रों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। डॉ फूल सिंह यादव ने छात्रों को वहां की जैव विविधता से अवगत कराया। तिलियार जू में छात्रों ने एशियंटिक टाइगर, व्हाइट टाइगर, ऑस्ट्रिच, हवासील , एंटेलॉप, बीयर, विभिन्न पक्षियों इत्यादि के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर सोनल गुप्ता, हिमांशु आदि भी मौजूद रहे।

लीगल अधिकारी रोहतास ने संभाला कार्यभार

महम। पंचायती राज विभाग के लीगल अधिकारी रोहतास ने बीडीपीओ महम का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। वे जब महम पहुंचे तो इलाके के कई जनप्रतिनिधियों ने उनका फूलों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। मौण खाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष दलबीर भराण और भैणी महाराजपुर गांव की सरपंच दर्शना देवी के पति अत्तर सिंह रापड़िया ने कहा कि रोहतास एक सुलझे हुए अधिकारी हैं और वे कानूनविद हैं। उन्हें उम्मीद है कि उनकी देखरेख में अब महम खंड के गांवों में विकास कार्यों की बाढ़ सी आ जाएगी। पंचायत समिति महम के चेयरमैन नवनीत राठी ने कहा कि वे इस संबंध में जिला उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा का आभार प्रकट किया।

पांच दिवसीय ब्रेल लिपि क्षमता निर्माण कार्यक्रम

रोहतक। सिरतार संस्थान एवं विशेष आवश्यकता समूह शिक्षा विभाग (डीईजीएसएन) एनसीआरटी नई दिल्ली के तत्वाधान में सोमवार को शुरू हुआ क्षमता निर्माण कार्यक्रम गत शुक्रवार को संपन्न हो गया। समापन समारोह के मुख्यातिथि जिला समाज कल्याण अधिकारी महावीर प्रसाद गोदारा रहे। कार्यक्रम समवन्यक डॉ. सुमिन प्रकाश ने इस आयोजन के उद्धेश्य पर प्रकाश डाला और बताया कि इसका उद्धेश्य सामान्य शिक्षकों को ब्रेल लिपि से परिचय कराना था। जिससे वे अपने विद्यालय में दृष्टिबाधित बच्चों को शिक्षा में अपना दायित्व निभा सके। डॉ. प्रकाश ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 सभी विद्यालयों को समावेशी शिक्षा का केन्द्र मानती है। ब्रेल विषय में क्षमता संवर्धन की आवश्यकता पर बल दिया। वक्ताओं ने अपने-अपने अनुभवों को सभी प्रतिभागियों के साथ सांझा किया व पाँच दिवसीय कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में पढ़ाये गये विभिन्न विषयों को सक्षिप्त में बताया।

गड़बड़झाला: तिलियार लेक पर पशु-पक्षियों से जुड़े एक विभाग में घोटाले की आशंका

अधिकारी के निर्माणधीन कार्यालय का सुबह छज्जा गिरा, दोपहर फिर उन्हीं टूटे सरियों से लेंटर डाला

तिलियार पर्यटन केंद्र कॉम्पलेक्स स्थित पशु-पक्षियों से जुड़े एक अधिकारी का कार्यालय निर्माणधीन है

अमरजीत एस गिल ▶▶| रोहतक

तिलियार पर्यटन केंद्र कॉम्पलेक्स स्थित पशु-पक्षियों से जुड़े एक अधिकारी का कार्यालय निर्माणधीन है। शनिवार सुबह इसका छज्जा गिर गया। लेकिन दोपहर होते-होते दोबारा से छज्जे का लेंटर डाल दिया गया। लेंटर जिस जल्दी में डाला गया है, उससे आशंका हो रही है कि सरकार द्वारा तय मानदंडों के मुताबिक निर्माण सामग्री का प्रयोग न किया गया हो। जिसकी वजह से छज्जा गिरा हो। जल्दी में दोबारा से लेंटर इसलिए डाला गया है ताकि विभाग को इसकी जानकारी ना मिले। गनीमत ये रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। घटना के समय कई मजदूर यहां कार्य कर रहे थे। बताया जा रहा है कि घटना के बाद श्रमिकों ने इसकी जानकारी निर्माण का अनुबंधित फर्म के ठेकेदार को दी।

सरकार जब किसी भी फर्म से किसी भी प्रकार का निर्माण करवाती है तो उससे बकायदा अनुबंध होता है। अनुबंध में ये तय होता है कि निर्माण में कौनसी सामग्री प्रयोग की जाएगी और उसकी गुणवत्ता कैसी होगी। इसके अलावा सीमेंट-रोड़ी रेती के मिलाने का अनुपात क्या होगा ये सब अनुबंधित होता है। अगर अनुबंध के मुताबिक फर्म काम नहीं करती है तो उसके खिलाफ विभाग कार्रवाई करता है। तय मानदंडों के मुताबिक निर्माण सामग्री का प्रयोग न करने पर फर्म को ब्लैकलिस्ट तक कर दिया जाता है। किसी भी निर्माण की चैकिंग करने के लिए एक पूरा सिस्टम है। जेई से लेकर अधीक्षक अभियंता तक की ये जिम्मेदारी होती है कि ठेकेदार सरकार द्वारा निर्धारित स्टेंडर्ड के मुताबिक ही निर्माण सामग्री का प्रयोग करे। निर्माण सामग्री के नमूने भी अधिकारी समय-समय पर ले सकते हैं। नमूने फेल होने पर ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। कई बार भुगतान तक रोक लिया जाता है। ध्यान रहे कि निर्माण के कई साल बाद तक ठेकेदार की जिम्मेदारी होती है कि भवन सही-सलामत रहे। बकायदा निर्माण की मियाद तक तय होती है।

मनपसंद ट्रेड ना मिलना सबसे बड़ा कारण

सीएम फ्लाइंग के पास निरीक्षण के अधिकारनिर्माण में गड़बड़ियां की जा रही हैं या नहीं। इसकी जांच के लिए सीएम फ्लाइंग को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। ध्यान रहे कि राज्य सरकार ने सीएम फ्लाइंग को अधिकारी दिए हैं कि वे सभी सरकारी महकमों का औचक निरीक्षण करके वहां के सिस्टम की जांच पड़ताल करके समय-समय पर रिपोर्ट भेजे। ऐसे में रोहतक के सीएम फ्लाइंग दस्ते को तुरंत तिलियार लेक कॉम्पलेक्स में छज्जा गिरने की घटना की जांच करनी चाहिए। जहां छज्जा गिरा है, वहां शनिवार रात तक ईंट पत्थर और दूसरी सामग्री पड़ी थी। सूत्र बताते हैं कि जो सरिया छज्जा गिरने से टूट गया था, उसे ठेकेदार ने दोबारा से लेंटर में डाल दिया है।

मनन 7वीं बार बने बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। बार काउंसिल आफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा को आज लगातार 7वें कार्यकाल के लिए सर्वसम्मति से फिर से अध्यक्ष चुना गया है, जो एक रिकॉर्ड है। बार काउंसिल ऑफ पंजाब और हरियाणा के अध्यक्ष डॉ विजेंदर सिंह अहलावत सहित अन्य पदाधिकारियों और सदस्यों ने मनन कुमार मिश्रा को इस महान उपलब्धि पर बधाई दी। डॉ. अहलावत ने बताया कि इसके अलावा, मनन कुमार मिश्रा भारत के सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता हैं और बिहार राज्य से राज्यसभा के सदस्य भी हैं। डॉ. अहलावत ने कहा कि उनकी समर्पण और अटूट सेवा के कारण, मनन कुमार मिश्रा कानूनी बिरादरी में लोकप्रिय हैं। उन्होंने बताया कि मनन कुमार मिश्रा, बीसीआई के अध्यक्ष, बिहार राज्य बार काउंसिल के चुनाव में प्रथम स्थान प्राप्त करके सदस्य चुने गए थे। डॉ. अहलावत ने बताया कि बीसीआई अध्यक्ष के प्रयासों से एडवोकेट्स संशोधन विधेयक, 2025 में कई बदलाव किए गए, जो कानूनी बिरादरी के खिलाफ थे, और उनके प्रयासों के कारण, एडवोकेट्स संशोधन विधेयक को भारत सरकार द्वारा वापस ले लिया गया है। डॉ. विजेंदर सिंह अहलावत ने बताया कि पूरे भारत में 25 लाख से अधिक नामांकित अधिवक्ताओं के प्रतिनिधि के रूप में मनन कुमार मिश्रा, बीसीआई अध्यक्ष, अधिवक्ताओं के लिए कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए काम करेंगे, जैसे कि सेवानिवृत्ति के बाद अधिवक्ताओं को पेंशन, अधिवक्ताओं और उनके परिवारों के लिए समूह बीमा योजना, और चिकित्सा और मृत्यु के मामलों में समय पर, तेजी से और पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान करना।

निकाय चुनाव में बनेगी ट्रिपल इंजन की सरकार: राम अवतार वाल्मीकि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ भाजपा मेयर प्रत्याशी बोले, कांग्रेस का सूपड़ा होगा साफ

हरियाणा में कांग्रेस अब अंतिम सांसें गिन रही है और आने वाला वक्त केवल भाजपा का है। यह बात भाजपा के मेयर पद के प्रत्याशी राम अवतार वाल्मीकि ने लोगों से वोट देने की अपील करते हुए कही। उन्होंने कहा कि विधानसभा की तरह हरियाणा का निकाय चुनाव भी भाजपा भारी बहुमत से जीतेगी और प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी। कांग्रेस का सूपड़ा पूरी तरह साफ हो जाएगा। राम अवतार वाल्मीकि ने कहा कि पूरे प्रदेश की तरह रोहतक के वोटर्स भी जान चुके हैं कि केवल भाजपा ही सबका विकास का सकती है। मुख्यमंत्री नायब सैनी को लोकप्रिय मुख्यमंत्री बताते हुए राम अवतार वाल्मीकि ने कहा कि सैनी साहब की ईमानदारी की चर्चा केवल हरियाणा में ही नहीं बल्कि पूरे देश में हो रही है। वे हरियाणा की 36 बिरादरी के सर्वमान्य नेता बन चुके हैं। रोहतक के लोग भी जान चुके हैं कि केवल नायब सैनी के नेतृत्व में काम कर रही भाजपा सरकार ही निष्पक्ष रूप से प्रदेश के युवाओं को नौकरी दे सकती है। कांग्रेस के राज में ऐसा होना एक सपने की तरह था, नौकरियां सरेआम बिकती थीं और दलाल लोगों की जमीनें बिकवाकर नौकरियों का सौदा करते थे। भाजपा प्रत्याशी ने मतदाताओं से वोट की अपील करते हुए कहा कि उनका एक एक वोट विकास की नई गाथा लिखेगा। रोहतक में बनने जा रही ट्रिपल इंजन की सरकार विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगी। मेयर पद के प्रत्याशी राम अवतार वाल्मीकि ने कहा कि भाजपा निकाय चुनाव जीतने के बाद रोहतक को एक रोल मॉडल सिटी के रूप में विकसित करेगी। कांग्रेस के शासनकाल में जो कार्य कभी नहीं हुए उन कार्यों को भाजपा प्राथमिकता के आधार पर करेगी।

सोनाक्षी ने योगा में जीती 2100 रुपये की धन राशि

रोहतक। बहुअकबरपुर स्थित एचडी पब्लिक स्कूल की चौथी कक्षा की छात्रा सोनाक्षी ने योगा में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सबका मन मोह लिया और शाइनिंग स्टार का खिताब अपने नाम किया। स्कूल योगा कोच एकता ने बताया कि यह कार्यक्रम रोहतक जिले के श्री लाल नाथ हिन्दू कॉलेज में आयोजित किया गया था। जिसमें सैंकड़ों छात्रों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में छात्रा ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया और उसे 2100 रुपये की नगद धनराशि, शाइनिंग स्टार की ट्रॉफी व दो पौधे पुरस्कार स्वरूप प्राप्त हुए। वहां उपस्थित सभी लोगों ने तालियों द्वारा छात्रा का उत्साहवर्धन किया। स्कूल निदेशक सुरेंद्र फोगाट व प्रधानाचार्य दुलाल देब ने छात्रा सोनाक्षी और कोच एकता को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कला एकीकरण विषय पर हुई कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

दा आर्यन ग्लोबल स्कूल में सीबीएसई कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका विषय कला एकीकरण रहा। इस कार्यशाला के रिसोर्स पर्सन गौरी वंदना तथा डॉक्टर नीरज त्यागी रहे। उन्होंने अध्यापन को रुचिकर बनाने के तरीकों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में 60 अध्यापक सम्मिलित हुए। द आर्यन ग्लोबल स्कूल के अतिरिक्त द सनशाइन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, विकल्प पब्लिक स्कूल और डॉक्टर राम मेहर पब्लिक स्कूल सांपला ने इस कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य अध्यापकों को ये बताना था कि जब कला को शिक्षा के साथ जोड़ा जाता है, तो इससे बच्चे को मदद मिलती है। कार्यशाला में शिक्षकों के लिए अलग-अलग विषय संबंधी अनेक रोचक गतिविधियां करवाई गई, जिसमें सभी ने बड़े उत्साह से भाग लिया। प्रधानाचार्य आरके खन्ना ने गौरी वंदना तथा डॉक्टर नीरज त्यागी का आभार प्रकट किया।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के डॉक्टर्स ने किया मंथन, ड्रा भी निकाला

- रोहतक में हुआ कार्यक्रम, पहला इनाम स्कूटी झारखंड की डॉ. स्नेहा को मिली
- दूसरा इनाम सोनीपत की डॉ. श्वेता रोहिल्ला को वॉटर डिस्पेंसर मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिकल काउंसिल हरियाणा (ईएचएमसीएचआर) और ऑल इंडिया अल्टरनेटिव मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एएएमसीआई) के तत्वावधान में शनिवार को रोहतक में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर रोहतक, सोनीपत, झज्जर और दिल्ली से आए इलेक्ट्रो होम्योपैथी के डॉक्टर्स ने प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता दिलाने को लेकर रणनीति बनाई। इसके अलावा इलेक्ट्रो होम्योपैथी की दवाओं और इनसे होने वाले इलाज के बारे में चर्चा की और एक दूसरे डॉक्टर्स के अनुभव को जाना। इस मौके पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी की दवा कंपनी केडी फार्मा द्वारा पहला ड्रॉ भी निकाला गया।

केडीईएच फार्मा की चेयरपर्सन डॉ. उषा खनगवाल और ईएचएमसीएचआर के चेयरमैन डॉ. विनोद खनगवाल ने ड्रा निकाला। पहला इनाम झारखंड की डॉक्टर स्नेहा को स्कूटी के रूप में निकला। दूसरा इनाम सोनीपत की डॉक्टर श्वेता रोहिल्ला को वॉटर डिस्पेंसर के रूप में और तीसरा इनाम झारखंड की डॉक्टर प्रतिमा देवांगन को डिनर सेट के रूप में मिला। बाकी सभी डॉक्टर, जिनके इनाम नहीं निकले हैं, उन्हें आने वाली 30 जून को गिफ्ट हैंपर दिए जाएंगे। इस मौके पर डॉ. ईएचएमसीएचआर के चेयरमैन डॉ. विनोद खनगवाल, केडीईएच फार्मा की चेयरपर्सन डॉ. उषा खनगवाल, ईएचएमसीएचआर की वाइस चेयरमैन डॉ. श्वेता, एएएमसीआई की रजिस्ट्रार डॉ. शिवानी आदि मौजूद रहे।

समकालीन डेटा विज्ञान में सांख्यिकी की महत्ता को बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी को सम्बोधित करते यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रीनस्बोरो, नॉर्थ कैरोलिना, यूएसए के प्रो. सत एन गुप्ता।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग में शनिवार को इंडियन एसोसिएशन फॉर रिलायबिलिटी एंड स्टैटिसटिक्स (आईएआरएस) के सहयोग से-स्टैटिस्टिकल फ्रंटियर्स इन डाटा साइंस (आईएस-एसएफडीएस-2025) विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सांख्यिकीय पद्धतियों में नवीनतम प्रगति और डेटा विज्ञान, विश्वसनीयता और अंतःविषय अनुसंधान में उनके अनुप्रयोगों पर गहन विचार-मंथन किया गया। सांख्यिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. एससी मलिक ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया और संगोष्ठी की विषयवस्तु पर प्रकाश डाला। कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो-वाइस चांसलर प्रो. डी.एस. हुड्डा ने बतौर मुख्यातिथि इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया। प्रो. हुड्डा ने अपने संबोधन में समकालीन डेटा विज्ञान में सांख्यिकी की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने मॉडर्न रिसर्च और इंडस्ट्री प्रैक्टिस में स्टैटिस्टिकल एडवांसमेंट की भूमिका को अहम बताया। यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रीनस्बोरो, नॉर्थ कैरोलिना, यूएसए के प्रो. सत एन गुप्ता ने भारत में भी यूएसए की तरह स्नातक स्तर पर अनुसंधान शुरू करने की वकालत की। प्रो. सत एन. गुप्ता ने रैंडमाइज्ड रिस्पांस तकनीक (आरआरटी) अनुसंधान विषय पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर इंडियन एसोसिएशन फॉर रिलायबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स द्वारा डॉ. आशीष कुमार (गणित और सांख्यिकी विभाग, मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर) को विश्वसनीयता सिद्धांत और मॉडलिंग में उनके योगदान के लिए और प्रो. चंद्रशेखर (गणित विभाग, बिट्स पिलानी, राजस्थान) को ऑपरेशन रिसर्च में उनके काम के लिए आईएआरएस रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड 2024 से नवाजा गया। तदुपरांत प्रो. एस.के. नियोगी ने सांख्यिकी और डेटा विज्ञान के सीमाओं का पुनरीक्षणः एक बदलता शोध प्रतिमान विषय पर व्याख्यान दिया। प्रो. पीसी झा ने टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट (टीक्यूएम) के बारे में चर्चा की और विभिन्न उद्योगों में प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने, दोषों को कम करने और उत्पादकता बढ़ाने में इसकी भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

सांख्यिकीय तकनीकों पर चर्चा की

डॉ. जितेन्द्र कुमार ने औद्योगिक परिचालनों में, विशेष रूप से इस्पात उद्योग में दक्षता को अनुकूलित करने के लिए सांख्यिकीय तकनीकों पर चर्चा की। सेमिनार में शोधकर्ताओं ने अपने शोध निष्कर्ष प्रस्तुत किए। विद्वानों ने सांख्यिकीय पद्धतियों, डेटा विज्ञान, विश्वसनीयता विश्लेषण और अनुकूलन तकनीकों में विभिन्न विषयों को कवर करते हुए अपने शोध योगदान पर चर्चा की। शिक्षकों डॉ. नवीन नांदल, डॉ. पूरन राठी, डॉ. राहुल और शोधार्थियों कुलदीप, बलराम, सुशील मलिक, अमित देव, ज्योति, चंचल और अंजू नरवाल ने इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विश्वसनीयता के क्षेत्र में डेटा विज्ञान के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला गया।

रस्म पगड़ी एवं प्रार्थना सभा

स्वर्गीय श्रीमती सरिता शर्मा

आप सबको बड़े दुख के साथ सुचित किया जाता है कि हमारी पूजनीय श्रीमती सरिता शर्मा दिनांक 22.02.2025 को अपनी सांसारिक यात्रा पूरी करके प्रभु चरणों में लीन हो गई है।

रस्म पगड़ी एवं प्रार्थना सभा
सोमवार 03 मार्च 2025
दोपहर 2:00 बजे से 3:00 बजे तक

स्थान :- कुकारों वाली रामलीला मैदान, निकट एसआरएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल अपोलो टायर, रोहतक, हरियाणा

शोकाकुल

शिव कुमार शर्मा (पति)
राम चंद्र शर्मा (देवर)
सतीश कुमार शर्मा-सुदेश शर्मा (देवर-देवरानी)
अंकुर-मंजू (पुत्र-पुत्रवधु)
जयंत-लवली (भतीजा-भतीजबहू)
कार्तिक (भतीजा), अनमोल (भतीजी)
दीपिका-मनीष (पुत्री-दामाद)
चांदनी-नीखिल (पुत्री-दामाद)
नमिता-विक्रांत (भतीजी-दामाद)
कृष्णा-परीक्षा (दोहता-दोहती)
समस्त भारद्वाज परिवार सम्बन्धित मित्रगण

संपर्क: 9813130236, 9896249123, 9729184784, 8527447644

प्रेरक कौशल विकास सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी (सीएमबीटी) में मास्टर क्लासः प्री-प्लेसमेंट सक्सेस योर गाइड टू करियर रेडीनेस शीर्षक से एक समृद्ध और प्रेरक कौशल विकास सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

रिसोर्स पर्सन रिया के नेतृत्व में सत्र का उद्देश्य छात्रों को मूल्यवान अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक उपकरणों से सशक्त बनाना था, जो उन्हें स्पष्टता, आत्मविश्वास और उद्देश्य के साथ अपने शैक्षणिक और पेशेवर दोनों ही सफर को आगे बढ़ाने में मदद करेंगे। उन्होंने आज के प्रतिस्पर्धी नौकरी बाजार में आवश्यक संचार, नेतृत्व और पारस्परिक कौशल जैसे सॉफ्ट स्किल विकसित करने के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि केवल तकनीकी ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, विद्यार्थियों को संभावित नियोक्ताओं के सामने खड़े होने और अपने करियर में सफल होने के लिए मजबूत संचार और नेतृत्व कौशल भी विकसित करना चाहिए। सत्र का एक मुख्य आकर्षण प्रोफाइल निर्माण पर चर्चा थी। रिया ने लिंक्डइन जैसे प्लेटफॉर्म पर एक मजबूत, पेशेवर ऑनलाइन उपस्थिति बनाने के महत्व के साथ-साथ एक अच्छी तरह से तैयार किए गए रिज्यूम के महत्व पर विस्तार से बताया।

Affiliation No. 530606 School Code : 40585

SHIKSHA BHARTI SR. SEC. SCHOOL

An English Medium, Co-Educational School, Affiliated to CBSE, Delhi

RUN BY SHIKSHA BHARTI EDUCATION SOCIETY | PATRONIZED BY HINDU SHIKSHA SAMITI (HARYANA)

ADMISSION OPEN
Session 2025-26

- No Admission Charges
- Limited Seats
- 100% Board Results
- Fully Equipped Labs
- Preparation for Competitive exams. (NEET, JEE, NTSE, NDA etc.)
- Olympiads (Maths, Science, G.K. etc.)
- NSS Units
- Sports Faculties (Athletics, Basket Ball, Baseball, Boxing, Badminton etc.)

WE ARE HIRING

- PGT: Physical Education, Music, Eco., Chemistry, Maths, Biology
- TGT: Hindi, S.Sc., • PRT: 2
- Art & Craft • ATL Instructor
- Clerk Cum Receptionist

Salary As Per CBSE Norms
Submit your C.V on School mail
recruitmentsbsss@gmail.com
only short listed Candidates will call for Interview

Gohana Road, Rohtak-124001 I M. : 9034042751, 9306950996, 9355542751
E-mail : shikshabhartirtk@rediffmail.com | Web. : www.shikshabhartirohtak.com | YOUTUBE - shikshabhartirohtak

शिक्षा भारती विद्यालय में मनाया दादा-दादी दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गोहाना रोड स्थित शिक्षा भारती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में दादा-दादी दिवस बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेन्द्र कुमार ने कहा कि छोटे-छोटे बालकों को गुण नैतिकता एवं सदव्यवहार सिखाने के लिए दादा- दादी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम संयोजिका आदेश राजपाल ने बताया कि कार्यक्रम में पधारे हुए दादा-दादियों के मनोरंजन हेतु कुछ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें यूकेजी से शिवम के दादाजी ने श्लोक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। पिरामिड बनाने की प्रतियोगिता में प्रथम कक्षा से विराज की दादी व यूकेजी कक्षा से गुरमीत के दादाजी विजेता रहे। चूड़ियों को टूथपिक की सहायता से गिलास में डालने की प्रतियोगिता में एलकेजी कक्षा से रुद्र की दादी विजेता रही। उनकी सहभागिता और उत्साह आवर्धन देखने योग्य था। दादा दादियों ने भजन गाकर तथा अपने जीवन के वृत्तांत सुनकर सबका मनोरंजन भी किया और प्रेरणा भी प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में सभी विजेता दादा दादियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. आदित्य बत्रा, उपाध्यक्ष उद्योगपति करन विग, प्रबंधक रामचरण सिंगला, कोषाध्यक्ष एसके गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्या बीना कौशिक एवं डा. दिनेश मदान ने दादा दादी दिवस के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

शिक्षा विशेषांक महम

महम व लाखनमाजरा क्षेत्र में विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए सम्पर्क करें :
राज कुमार नरवाल, रिपोर्टर हरिभूमि
महम, सम्पर्क सूत्र : 9253681048

अच्छे वातावरण में बेटियों को शिक्षा प्रदान कर रहा डॉ. रामचन्द्रा विद्यापीठ

डॉ. आर.सी. पूनिया, निदेशक

मनुष्य के जीवन में जितना महत्व भोजन, कपड़े, हवा और पानी का है। उससे कहीं अधिक महत्व शिक्षा का है। शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जिससे मनुष्य में ज्ञान का प्रसार होता है और बुद्धि, की जागृति होती है। शिक्षा मानव जीवन की एक महत्वपूर्ण इकाई है शिक्षा के बिना तो मनुष्य जीवन की कल्पना भी मुश्किल है। कहा जाता है कि एक बच्चे शिक्षा उसके उसके पैदा होते ही शुरू हो जाती है और उसकी पाटीशुरुआत अपनी माँ से होती है। अतः एक अच्छे समाज के निर्माण के लिए नारी शिक्षा का बहुत अधिक महत्व है, अगर किसी घर की नारी शिक्षित है, ज्ञानवान है, और जागरूक है तो उसके सभी गुणों की झलक उसके परिवार में अवश्य ही नजर आएगी।

महिला शिक्षा समय की मांग है। शिक्षा प्राप्त करना हर लड़ की का अधिकार है. आप सभी क्षेत्रवासियों को यह जानकर बड़ी खुशी होगी, कि पिछले 20 वर्षों से डा रामचन्द्रा विद्यापीठ सी० सै० स्कूल नजदीक शुगर मिल, महम आपके क्षेत्र का केवलमात्र एक ऐसा विद्यालय है जो विशिष्ट रूप से क्षेत्र की लड़ कियों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। क्योंकि यह विद्यालय इस ध्येय पर काम करता है हम अपनी बेटियों को शिक्षित किए बिना, हम एक विकसित राष्ट्र का निर्माण नहीं कर सकते है। क्षेत्र की लड़ कियों को शिक्षित करना इस विद्यालय का मिशन है। न कि व्यवसाय । डॉ. रामचन्द्रा विद्यापीठ, कभी भी सह-शिक्षा के खिलाफ नहीं है। लेकिन आधुनिक समय के हालातों को मद्देनजर रखते हुए व बालिकाओं की सुरक्षा व समस्याओं पर ध्यान कर एक उचित, चिंता मुक्त व भयमुक्त वातावरण में बेटियों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। अपने देश की संस्कृति, सांस्कारिक मूल्यों तथा मानवतावादी दृष्टिकोण का आधुनिक शिक्षा प्रणाली से समन्वय स्थापित करना है। लडकियों को भय मुक्त वातावरण प्रदान करता है। बेटियों को मानसिक रूप से मजबूती प्रदान कर जीवन में आगे बढ़ना, आत्मनिर्भरता, अपनी समस्याओं को खुद सुलझाने की क्षमता विकसित करता है। जीवन व करियर के हर क्षेत्र में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना सिखाता है। करियर संबंधित वर्कशॉप का आयोजन भी समय-2 पर विद्यालय में होता है। अपनी क्षमताओं को पहचानना व उन पर कार्य कर अपना संवर्धन करना व उसके साथ-2 अपनी कमियों को पहचानना व उनमें सुधार कर अपने आप को संवारना सिखाता है। समाज निर्माण में लड़कियों की भागेदारी व योगदान के प्रति जागरूक करता है। डा. रामचन्द्रा कन्या विद्यापीठ, स्कूल लड़कियों के लिए रोपित वह शिक्षा रूपी पौधा है जो भविष्य में वट वृक्ष की तरह बढ़ेगा जो क्षेत्र की लड़कियों को छतामा (सुरक्षा) ही नही बल्कि फूल (खुशियाँ) तथा फल (सफलता) भी प्रदान करेगा। जिससे यह इस क्षेत्र की बालिकाओं को शिक्षा के माध्यम से वह मजबूती व क्षमता प्रदान करेगा। जिससे आगे चलकर वह जीवन में अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करने में एक मजबूत आधार बनेगा। डॉ. रामचन्द्रा विद्यापीठ हमेशा आपने क्षेत्र की की उच्च शिक्षा, उज्ज्वल भविष्य की कामना और उसके साथ-साथ सभी क्षेत्र वासियों के समर्थन की उम्मीद करता है।

DR. RAM CHANDRA VIDYAPEETH SR. SEC. SCHOOL
An ISO 9001 : 2015 Certified School
(Near Sugar Mill, Meham) M. Heri
Email : ramchndravidyapeeth@gmail.com
(Affiliated to CBSE, New Delhi)

2025-26 ADMISSIONS OPEN
Scholarship Test
UKG to 9th Class at School Campus
Dated : 16 March, 2025 Sunday
Time : 10:00 AM
No. Registration Fees
Note:- Transport Facility will be Free on the day of Test
Girls who score more than 90% marks in 10th class will be given an Incentive of ₹ 11000/- on taking admission in school
Co-Education for Nur. to 8th
9th to 12th Only for Girls
Limited Seats
Free Admission
Free Annual Charge
Free Transportation For LKG & UKG
PGT'S / TGT'S / PRT'S REQUIRED
Eng. Hindi, Maths, Physics, Chem., Bio, History, Pol. Sci., IT Operator Sociology, Home Science, Phy. Edu., Fine Arts., Music Computer Science, Accounts, Commerce, Counceller and Arts & Craft
Contact :
DIRECTOR Dr. R. C. Punia M. 9813371348
CO-ORDINATOR Mr. Navdeep Punia MBA M. 9992788812
PRINCIPAL Dr. Sushila Punia Ph.D., M.Sc (CSIR NET Qualified) M.Ed.
Dr ram Chandra Vidyapeeth School

शिक्षा के क्षेत्र में चमकता सितारा, शीतला हमारा : कविता नरवाल

कविता नरवाल, निदेशक

शीतला पब्लिक स्कूल लाखन माजरा, रोहतक के उस पुराने नाम को धन्य करता है जिसकी स्थापना रिंढाणा निवासी सम्मानित शिक्षाविद श्री ओमप्रकाश नरवाल जी के कर कमलों से एस० डी० उच्च विद्यालय के रूप में वर्ष 1970 में हुई। यह पौधा इतना पल्लवित, पुष्पित हुआ जिसकी धाक सर्वत्र रही। सुघड़ शिक्षण और मेधावी छात्रों के समर्पित सहयोग से इस विद्यालय ने वह नाम कमाया जिसकी चर्चा जोर-जोर से होती थी, यहां से उत्तीर्ण विद्यार्थियों ने सिविल सर्विसीज, डॉक्टर, इंजीनियर, सैन्य सेवा इत्यादि में प्रतिष्ठित पदों पर अपना वर्चस्व दिखाया। जिसके फल-स्वरूप छात्र संख्या में निरंतर वृद्धि होती गई। अतः महसूस किया गया की जनता की बढ़ती रुचि व समय की मांग को ध्यान में रखते हुए एक सीबीएसई इंग्लिश मीडियम विद्यालय की स्थापना की जाए जहां विद्यार्थियों को ओर अधिक सेवाएं प्रदान करने हेतु विशाल स्थान एवं शांत वातावरण हो जो अपने छात्रों को अधिगम व विकास के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध हो। आज वही नाम शीतला पब्लिक स्कूल के रूप में अपनी सेवाएं देकर ख्याति अर्जित कर रहा है। जिसका अपना दो मंजिला विशालकाय भवन सहज ही सबको अपनी और आकर्षित करता है। एक सुंदर प्राकृतिक पर्यावरण को समेटे हुए धूल व शोर से दूर प्रकृति की छांव में स्थापित यह विद्यालय विस्तृत सुंदर प्रवेश द्वार से होते हुए एकदम अतिथि परिसर में ले जाता है जहां पर बैठने विचार विमर्श हेतु खुला स्थान है। आगे ज्यों ही अंदर प्रवेश करते हैं तो विशाल प्रांगण में प्राचार्या कक्ष, स्टाफ कक्ष के साथ-साथ अनेक बड़े-बड़े खुले हवादार कक्षा कक्ष हैं जो समस्त सुविधाओ से सुसज्जित हैं। सह शिक्षा के रूप में यहां कला वाणिज्य एवं विज्ञान तीनों संकाय विधिवत संचालित हैं जहां शैक्षिक उद्देश्य के लिए सांस्कृतिक एवं खेल संबंधी सुविधाएं बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए संचालित की जाती हैं।

विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती कविता रानी जो एक होनहार और समर्पित व्यक्तित्व हैं जो स्थानीय समुदाय के साथ विचार एवं सहभागिता करते हुए स्कूल प्रबंधन के विकसित दृष्टिकोण के लिए साधन जुटाती हैं। अभिभावकों के साथ उनकी खुली व्यवहारिक उदारतापूर्ण सोच इस विद्यालय की पुरानी परंपरा रही है, जिसका निर्वहन वह पूरी निष्ठा से करती हैं। प्राचार्या का शिक्षक गण व अन्य स्टाफ के कार्यकलापों में पूरा तालमेल स्थापित करना मुख्य लक्ष्य रहता है। मूल्यांकन एवं मॉनिटरिंग का कार्य विद्यालय प्रक्रियाओं के लिए हमेशा उपलब्ध रहता है जिससे शैक्षणिक प्रक्रिया की गतिशीलता में वृद्धि होती है। स्पष्ट न्याय संगत नीतियां और सभी सुविधाएं स्कूल संचालक के लिए एक मानक रूप प्रदान करती हैं। विद्यार्थियों को निरंतर उत्साहित करने एवं आगे बढ़ाने के अभ्यास जारी रहते हैं। अधिगम सहायता मूल्यांकन के लिए रचनात्मक फीडबैक की सुंदर परंपरा है जिससे शिक्षा में गुणवत्ता हेतु सुधार की संभावनाओं को बल मिलता है। सभी पृष्ठभूमियों के विद्यार्थियों को यहां बिना किसी भेदभाव के प्रवेश मिलता है। एक बुनियादी ढांचा लिए यहां पर्याप्त सुविधाएं हैं जहां विद्यालय भवन का अपना पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं व विस्तृत खेल के मैदान हैं जहां सभी को रुचि अनुसार अवसर उपलब्ध होते हैं। विद्यालय में प्रतिभा विस्तार हेतु विभिन्न सदन (एमराल्ड, टोपाज, सफायर, रूबी) बनाए गए हैं जिनमें अंतर सदन प्रतियोगिताएं होती हैं। अवसरानुकूल आयोजित की जाने वाली विषय संबंधित प्रदर्शनी, बच्चों के ज्ञान कौशल की अभिवृद्धि हेतु प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, हस्त कौशल निर्माण हेतु क्राफ्ट प्रतिभाएं निखारना एवं खेल संबंधित प्रतियोगिताएं आयोजित कर बच्चों को विभिन्न अवसरों पर सम्मानित करने की उल्लेखनीय भूमिका होती है। सभी कार्यों को सप्ताह विशेष में बांटते हुए जैसे स्वच्छता सप्ताह, व्यक्तित्व में निखार सप्ताह, नैतिक शिक्षा सप्ताह एवं अनुशासन सप्ताह आदि पर विशेष बल दिया जाता है। बच्चों के कौशल में निखार हेतु वाचन कौशल, पठन कौशल, श्रवण कौशल एवं वाचन कौशल आदि रचनात्मक बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता है जिससे बच्चों में अधिक से अधिक निखार आ पाए। इन सबके साथ NEET, NTSE, CLAT, AILET, NDA, IIT,JEE, CUET आदि सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी सीबीएसई पाठ्यक्रम के साथ साथ करवाई जाती है तथा कैरियर संबंधी समस्याओं का समाधान किया जाता है ताकि बच्चों को कैरियर संबंधी अवसर खोजने में आगे चलकर कोई बाधा न आने पाए। सभी शिक्षक प्रभावी तरीके से सुगठित पाठ्यक्रम के माध्यम से बच्चों को पूरी निष्ठा के साथ-साथ उनकी समस्याओं का भी समाधान करते हैं। रोजगार परक शिक्षा के प्रति जागृत करने हेतु बच्चों को सदा उत्साहित करना भी प्रबंधन का पूर्ण उद्देश्य रहता है। विद्यालय का प्रभावी तकनीकी विज्ञान है जो शिक्षक अनुभव को बढ़ाते हुए डिजिटल संस्थानों तक पहुंच प्रदान करते हैं। विद्यार्थी केंद्रित शिक्षा को ध्यान में रखते हुए उनकी दमदार भागीदारी के प्रति प्रोत्साहन निरंतर जारी रहता है। विद्यालय का हर वर्ष घोषित होने वाला परीक्षा परिणाम एवं विद्यार्थियों का मेधावी पट्टीका प्रदर्शनी उपलब्धि यहां की शिक्षा गुणवत्ता का गारंटी प्रमाण है। पाठ्येतर गतिविधियों के साथ अन्य विभिन्न आयोजित प्रतियोगिताओं में बच्चों की भागीदारी एवं सम्मान प्राप्ति इस विद्यालय की अतिरिक्त गतिविधियां, उपलब्धियां कही जा सकती हैं।

अतः सभी अभिभावक गण से अपेक्षा की जाती है कि यहां की शिक्षा पटक उपलब्धि का मूल्यांकन कर प्रवेश के लिए अपने बच्चों का सुनहरा भविष्य सुनिश्चित कर लाभ कमाएं।

SHEETLA PUBLIC SCHOOL
A Co- Educational Sr. Sec. School, Affiliated To C.B.S.E, New Delhi No-530739
LAKHAN MAJRA (ROHTAK)-124514
शिक्षा संस्कार अनुशासन

ADMISSION OPEN 2025-2026 NUR TO 12th
Special Discount for Meritorious Students
NO ANNUAL CHARGES
No Admission Charges Nur to 2nd
Our Features
» Well Qualified, Experienced & Dedicated Staff
» Digital Classrooms
» Modern Infrastructure
» Wi-Fi Campus
» CCTV Surveillance
» Modern Laboratories
» Indoor & Outdoor Games
» Weekly Scholastic Aptitude Test (SAT)
» Daily Personality Development Programme
» Transport Facility For All Near by Villages
» Fully Equipped labs
» Special Coaching Classes For IIT- JEE, NEET Exams
Contact : M. 9996696989, 9729004053
E-mail : sheetlapublicschool@gmail.com
Nandal Road Opp. Gas Agency

एक अच्छी शुरूआत का अंत भी अच्छा होता है : रमेश गिरधर

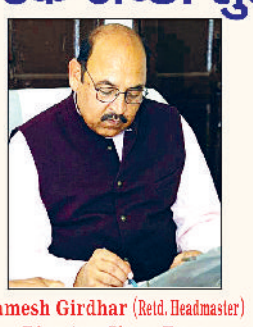

Ramesh Girdhar (Retd. Headmaster)
Director, Shree Ram Secondary School Meham

मैं श्री राम सैकेंडरी स्कूल के साथ ज्ञान की झील में नौकाविहार करने के लिए समाज को एक निमंत्रण देता हूं क्योंकि यह विद्यालय एक ऐसी जगह है, जहां हम ज्ञान की गहराइयों में उतर सकते हैं और नए विचारों और दृष्टिकोणों की खोज कर सकते हैं। मैं रमेश गिरधर विद्यालय के निदेशक के रूप में विद्यार्थियों का आह्वान करता हूं कि वे हमें अपने विचारों और कल्पनाओं को नए पंख देने का अवसर प्रदान करें। हमारे विद्यालय का स्पष्ट संदेश है ' योग्य नागरिक एवं चरित्र निर्माण'।

शिक्षा जीवन का आधार है, और शिक्षा के इस महाकुंभ में स्नान करते हुए आज हमें 33 वर्ष पूरे हो चुके हैं। श्री राम सैकेंडरी स्कूल केवल ज्ञान का केन्द्र ही नहीं, बल्कि यह बच्चों को जीवन की मूल्यवान शिक्षा देने वाला एक संस्थान है, जो उन्हें मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से भी सशक्त बनाता है। आज के इस आधुनिक युग में विद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। हमारा विद्यालय न केवल बच्चों को बुनियादी शिक्षा प्रदान करता है, बल्कि उन्हें जीवन में सफलता पाने के लिए आवश्यक कौशल और मूल्यों से भी परिचित कराता है। हमारे विद्यालय में सिखाई जाने वाली शिक्षा, बच्चों के चरित्र निर्माण के साथ-साथ उनको योग्य नागरिक बनाना एवं उनकी सोच और दृष्टिकोण को भी विस्तारित करती है।

हमारे विद्यालय में न केवल कक्षा के पाठ्यक्रम, बल्कि सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। कला, खेल, संगीत, नृत्य, साहित्य, और विज्ञान जैसे विविध क्षेत्रों में बच्चों का संवेदी विकास होता है। इसी क्रम में हमारे विद्यालय ने बच्चों को आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के लिए Robotic Lab की व्यवस्था की है ताकि ये गतिविधियाँ उन्हें केवल Degree Oriented Education न देकर ऐसी शिक्षा प्रदान करे जो उन्हें भविष्य में रोजगार के स्थाई अवसर प्रदान करें और उन्हें अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करें।

इसके अलावा,हमारे विद्यालय में अनुशासन, आदर्श, नैतिक और आध्यात्मिक शिक्षा का भी समावेश होता है। क्योंकि हमारा ये मानना है कि आध्यात्मिकता के साथ आधुनिकता टिकाऊ है और आध्यात्मिकता के बिना आधुनिकता बिकाऊ है। बच्चों को सही-गलत की पहचान कराना, उन्हें समाज में एक जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना, यही असली शिक्षा है। किसी कवि ने सही लिखा है कि ज्ञान की राह पर चलो तो मंजिल मिलती है,वक्त की रेत में सही दिशा मिलती है। शिक्षा ही है जो अंधकार को दूर करती है,यह वही किरण है जो हर दिल में रौशनी भरती है। इसलिए, श्री राम सैकेंडरी स्कूल विद्यार्थियों को केवल परीक्षा परिणामों तक सीमित नहीं करता बल्कि उनका असली उद्देश्य बच्चों को जीवन के हर पहलु से अवगत करवाना है, ताकि वे अपने समाज और राष्ट्र के लिए एक प्रभावशाली और प्रेरणादायक व्यक्ति बन सकें और यदि परीक्षा परिणामों की भी बात की जाए तो हमारे विद्यालय ने ऊंचाइयों की हर पराकाष्ठा को छुआ है और हमारे विद्यालय के छात्र उच्च पदों पर आसीन होकर समाज की सेवा कर रहे हैं। अतः इस सोच को यथार्थ में बदलने के लिए समाज से मिल रहे निरंतर सहयोग एवं प्रेम के लिए विद्यालय परिवार आप सभी का धन्यवाद करता है।

SHREE RAM SECONDARY SCHOOL
....Turning Innocence into Genius.
Run by :- Shree Ram Education Society Meham
WARD NO. 7 MEHAM (ROHTAK)
ADMISSION OPEN FOR ALL CLASSES SESSION 2025-26
* Dedicated and Experienced Teaching Staff * Free Extra classes * Computer Lab * Science Lab * Library * Robotic Class * Sports Facilities * Transport Facility
Contact No. 9416351042, 9466832509
Email: shreeramschool.165@gmail.com

एचडी स्कूल खेड़ी महम ने शिक्षा के क्षेत्र में बनाई अलग पहचान

शालिनी गुप्ता
प्रिंसिपल

एचडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल खेड़ी महम ग्रामीण अंचल की पृष्ठभूमि में स्थापित आज शैक्षणिक स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बनाए हुए है। यह शिक्षा रूपी पौधा सन 1999 में लगाया गया जो आज फल फूल कर एक विशालकाय फलदार वृक्ष के रूप में अपने क्षेत्र में अमृत रूपी सुधा का रसास्वादन कर सभी को फलोभूत कर एक विशिष्ट पहचान बनाए हुए है।

विद्यालय की स्थापना और उद्देश्य

विद्यालय शिक्षा के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए निरंतर प्रगति कर रहा है। विद्यालय का उद्देश्य न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता प्रदान करना है, बल्कि विद्यार्थियों के नैतिक और सामाजिक मूल्यों को भी सशक्त बनाना है।

शैक्षणिक उपलब्धियां

एचडी स्कूल से शिक्षा प्राप्त कर सैकड़ों विद्यार्थी विभिन्न सरकारी पदों पर कार्यरत हैं। यहां के छात्र देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों, पीजीआई रोहतक, एम्स, भगत फूल सिंह गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज सोनीपत (गोहाना), मेडिकल कॉलेज अग्रोहा आदि में M.B.B.S एवं M.D. की पढ़ाई कर रहे हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी

विद्यालय में आधुनिक शिक्षा प्रणाली के तहत NEET, JEE, NDA, GATE, CLAT, CA जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाती है, जिससे छात्र कम उम्र में ही अपने करियर को सही दिशा दे सकें।

सर्वांगीण विकास पर जोर

विद्यालय में एनसीसी, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। अनुशासन, देशभक्ति और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने के लिए नियमित रूप से सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। इसके अलावा, अंग्रेजी भाषा में दक्षता प्रदान कर, विद्यार्थियों को सफलता की ओर अग्रसर करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

AC कक्षाएँ और मनोरंजन हेतु ट्रेन राइड की सुविधा :-

स्कूल ने नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के बच्चों के लिए आधुनिक सुविधाओं की शुरुआत की है। अब छोटे बच्चों के लिए AC कक्षाओं की व्यवस्था की गई है, जिससे उन्हें गर्मी में आरामदायक माहौल मिलेगा। साथ ही, मनोरंजन और सीखने के नए तरीकों को बढ़ावा देने के लिए ट्रेन राइड की सुविधा भी जोड़ी गई है। यह कदम बच्चों के समग्र विकास और स्कूल के वातावरण को और रोचक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

हमारा प्रयास शिक्षा का ऐसा मंदिर बनाना है जहाँ:

मन भय मुक्त हो और सिर ऊँचा हो जहाँ ज्ञान मुक्त हो जहाँ दुनिया संकीर्ण घरेलु दीवारों द्वारा टुकड़ों में विभाजित न हो। छात्रों को सर्वोत्तम गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करना हमारी हार्दिक इच्छा है। हम न केवल अपने छात्रों को उनके विषयों का सर्वोत्तम ज्ञान प्राप्त करने में सहायता करते हैं बल्कि उनमें सभ्य मनुष्य के महत्वपूर्ण गुणों को भी बढ़ावा देते हैं।

एचडी स्कूल, खेड़ी महम, छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के बीच एक सशक्त, स्नेही और प्रेरणादायक शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए संकल्पबद्ध है। हमारा लक्ष्य है कि हर छात्र एक सक्षम, आत्मविश्वासी और समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बने।

H.D. Sr. Sec. Public School
(Affiliated to C.B.S.E., New Delhi, Affiliation No. 530454) KHERI-MEHAM (Rtk)
ADMISSION OPEN
Session 2025-26
PRE. NUR-IX & XI
(Humanities, Commerce, Medical & Non. Medical)

SCHOLARSHIP - CUM ENTRANCE TEST
23 March 2025
(Sunday) Time : 10:00 AM

Class	90% & Above	80% to 89%	60% to 79%
1 to V	4000₹	3000₹	2500₹
VI to IX & XI	5000₹	4000₹	3000₹

SALIENT FEATURES
♦ Least Teacher Student Ratio ♦ Highly Experienced Teachers
♦ AC Classrooms upto class II ♦ Well Equipped Labs
♦ 50% Discount in Tuition Fee for Sibling
♦ Door to Door Van facility for Pre-Primary Students
♦ School Campus under CCTV Surveillance
♦ Smart Tech. Classrooms
♦ Foundation/Competitive classes for NEET, JEE, NDA
♦ Individual Attention on each student
♦ Provision of NCC (National Cadet Corps)

PRIDE OF OUR SCHOOL
Anshul MBBS (Khanpur)
Ankita MBBS (PGI, Rohtak)
Dr. Neha Pruthi MD - Paediatrics (PGI, Rohtak)
Dr. Lokesh MD-Radiology (Patiala)
Dr. Rushi Singla MD - Medicine(AIIMS, Delhi)
Isha MBBS (PGI, Rohtak)
Kajal MBBS (PGI, Rohtak)
Madhur MBBS (Thoothukudi Med. College, Tamil Nadu)
Manu MBBS (Khanpur)
Shikha MBBS (PGI, Rohtak)
Parmjeet MBBS (PGI, Rohtak)

URGENTLY REQUIRED
❖ PGT - Geography-01 ❖ TGT Hindi - 01
❖ TGT - English - 01 ❖ DPE Male - 01
❖ TGT - S.S.-01 ❖ DPE Female -01

REGISTER TILL 31st MARCH 2025 & GET SUMMER UNIFORM FREE

NO ADMISSION FEE | EXCELLENT CBSE BOARD RESULT | COMPREHENSIVE ENGLISH SPOKEN CLASSES | FREE BOOK SET FOR PRE-NURSERY/ NURSERY | LUNCH FACILITY FROM PRE NURSERY TO CLASS II

for more details contact
8607777107, 8607777117, 9416230946
www.hdpskheri.com, hdpskheri@gmail.com

शिक्षा और खेल दोनों में नाम कमा रहे सही राम स्कूल के विद्यार्थी

डॉ. प्रदीप भारद्वाज, निदेशक

शिक्षा संस्थानों के बिना कोई भी राष्ट्र ठीक वैसे ही है जैसे बिना मस्तिष्क के शरीर होता है। राष्ट्र निर्माण के लिए देशभक्ति, निष्ठावान, चरित्रवान, समर्पित, उद्यमशील, साहसी और पराक्रमी पीढ़ी का निर्माण ही देश, समाज तथा लोकतंत्र के मजबूत भविष्य के लिए एकमात्र मार्ग है। और यही शिक्षा का सच्चा उद्देश्य भी। उच्च शिक्षा प्राप्ति के इच्छुक विद्यार्थियों के हितों को दृष्टिगत रखते हुए स्वर्गीय सहीराम बामल जी के अथक सदप्रयत्नों से सन 1998 में सहीराम शिक्षण संस्थान की स्थापना की गई। इस संस्था का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ देश भक्ति से ओत प्रोत ऐसे नागरिकों को तैयार करना भी रहा है, जो राष्ट्र निर्माण में अपना अतुलनीय योगदान दे सकें। सहीराम शिक्षण संस्था आज अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण महम क्षेत्र में चर्चा का विषय बन चुकी है। सही राम जी ने जो शिक्षा रूपी एक पौधा लगाया था आज वह एक महान वृक्ष का रूप ले चुका है। आज इस तथ्य को बड़े गर्व के साथ रेखांकित किया जा सकता है कि इस विद्यालय ने ऐसे अनेक विद्यार्थी इस समाज, राज्य व राष्ट्र को दिए हैं जिन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पटल पर अपनी यशगाथा लिखी है। आज भी असंख्य विद्यार्थी समाज सेवा, प्रशासनिक सेवा, अध्यापन आदि कार्यों में अपना उल्लेखनीय व महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। स्वर्गीय बामल जी के पद चिंहो पर चलते हुए मैं स्कूल निदेशक डॉक्टर प्रदीप भारद्वाज आज इस संस्था को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी सफलता के शिखर पर पहुंचाने के लिए कटिबद्ध हूं। राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस संस्था के खिलाड़ी अपनी पहचान बना रहे हैं। इस संस्था में खेल नर्सरी की स्थापना के बाद खिलाड़ियों को अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करने का सुनहरा अवसर प्राप्त हो रहा है। आज यह संस्था समस्त स्टाफ व प्रबंधन के अथक प्रयास, लगन, निष्ठा व समर्पण भाव के कारण सफलता की बुलंदियों को छू रही है।

प्रिय विद्यार्थियों, सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों की गिरावट के इस दौर में शिक्षा निश्चित ही आपका सबसे बड़ा मार्गदर्शन है, अतः आवश्यकता है कि शिक्षा को इसकी संपूर्ण विशेषताओं के साथ ग्रहण किया जाए ताकि हम सामाजिक व नैतिक मूल्यों के प्रति कटिबद्ध एवं प्रतिबद्ध हो सके तथा इन मूल्यों के ह्रास को विराम दे सकें। अतः अपनी, क्षुद्रता, स्वार्थ व कलुषता का परित्याग करते हुए उद्देश्य का चयन एवं तदनुसार आचरण आपको व आपके आसपास के वातावरण को सुगंधित करेगा और आपको अपने शिक्षित होने की सार्थकता का अनुभव कराएगा, ऐसा मेरा मानना है। अंत में मैं आपके उज्ज्वल भविष्य, गरिमामयी व गौरवशाली भविष्य की कामना करता हूं।

THE ROYAL GROUP OF SCHOOLS
SAHI RAM SR. SEC. SCHOOL
(Affiliated to HBSE) School Code-25226
Bharan Road, Meham (Rohtak) Haryana

Activity & Skill Based Learning
Periodical updates of your child's Progress
Special Classes for NEET, JEE, NTSE, REASONING & G.K.
Digital classrooms • Robotics Lab
Govt. Sports Nursery of Kabaddi, Handball & Weight Lifting
Music, Dance instrumental & vocal
Kabaddi, Handball, Boxing, Cricket, Wushu, Weight Lifting & Gymnastic
English language learning programme
Abacus & Vedic Maths

ACADEMIC ACHIEVEMENTS

Class - 10th			Class - 12th		
Name	F'Name	%	Name	F'Name	%
PAYAL	MUKESH	97%	MUSKAN	ANAND	96%
VARSHA	RAKESH	95.6%	PARTIKSHA	NARESH	93%
BHUMI	MUKESH	95.4%	MOHIT	NARESH	90.6%
DEEPEN	SURENDER	94.2%	SWEETY	PAWAN	90%
DIPTI	MAMAN CHAND	93.8%			
PREETI	RAJ KUMAR	93.2%			
KHUSHI	MAHESH	91.4%			
TANSHA	RAMESH	91.4%			
PRIYA	SURENDER	91.2%			
DIYA	AMIT KUMAR	90.8%			
RAHUL	SUNIL	90.2%			

50% Fee Discount For Nur. to 2nd Class UP TO 31ST MARCH

ACHIEVEMENTS
❖ Yuvraj S/o Mr. Bharat (Gold Medal in National, Participated in Sub-Junior World Championship Shanghai, China in Wushu)
❖ Sujala D/o Mr. Vinod (Gold Medal in National, Participated in Junior Asian Women Handball Championship India)
❖ Neha D/o Mr. Narender (Gold Medal in Handball National Championship)
❖ Suman D/o Mr. Suresh (Gold Medal in Handball National Championship)
❖ Parul D/o Mr. Rishi Pal (Gold Medal in Sub-Junior National Wushu Games)
❖ Anchal, Dev Sharma, Ansh, Raman, Kiran, Akshay, Mayank, Arun, Jatin, Prince & Manish Gold Medalist in 11th Students Olympic National Games 2024
❖ Lokesh, Mayank, Bhavesh, Daksh, Hardik, Naksh, Bhumesh, Bhavishay & Sunny Gold & Silver Medalist in 11th Students Olympic National Games 2024 Boxing
❖ U-14 Boys, U-19 Boys Gold Medalist in Kabaddi State Championship 2024
❖ U-17 Boys & Girls Bronze Medalist in Kabaddi State Championship 2024
❖ U-14 Boys 100 Mtr. 400 Mtr. 800 Mtr. & 3000 Mtr. Gold Medal in National Games 2024
❖ U-14 Girls 100 Mtr. 200 Mtr. & 100x4 Relay Race Gold Medal in National Games 2024

10 Lac+ CASH SPORTS SCHOLARSHIP
50% Fee Discount For State & National Player
MEMBER OF WORLD SPORTS NURSERY & FIT INDIA

कांग्रेस नेता हिमानी हत्याकांड : सूटकेस में मिला शव, भाई की हुई थी हत्या

सफेद सूट और गले में लिपटी थी चुन्नी, हाथों पर सजी थी मेहंदी

एफएसएल की टीम ने सूटकेस और लड़की के कपड़ों से भरे सैंपल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

कांग्रेस की युवा महिला नेता की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। उसका एक शव सूटकेस में सांपला बस स्टैंड फ्लाइओवर के पास मिला। पुलिस ने जब सूटकेस खोलकर देखा तो मरने वाली युवती के हाथ में मेहंदी लगी हुई थी। युवती की पहचान विजय नगर निवासी हिमानी नरवाल के रूप में हुई। बता दें कि हिमानी युवा कांग्रेस नेता थी। हिमानी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव थी। उसने सोशल मीडिया पर कई दिग्गज कांग्रेसी नेताओं के साथ अपने फोटो अपलोड कर रखे है। ऐसे जांच पड़ताल में सामने आया जब पुलिस ने उसका सोशल मीडिया एकाउंट खंगाला है।

11 बजे मिली सूचना

बता दें कि सांपला थाने की पुलिस के मुताबिक उन्हें रविवार सुबह 11 बजे सूचना मिली कि सांपला बस स्टैंड के पास एक संदिग्ध सूटकेस मिला है। उससे बदबू आ रही है। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। जब सूटकेस खोला गया तो उसके अंदर एक युवती की लाश पड़ी थी। उसने सफेद सूट पहना था। काली चुन्नी उसके गले पर लिपटी थी। पुलिस ने तुरंत एफएसएल टीम को बुलाया। टीम ने सूटकेस और लड़की के कपड़ों से सैंपल भरे। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया।

पिता ने की थी आत्महत्या

हिमानी के पिता शेर सिंह ने 8 साल पहले आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद हिमानी के भाई की भी हत्या कर दी गई थी। इतना सब कुछ हो जाने के बाद उसकी मां और दूसरा भाई दिल्ली चले गए। वे वहां नजफगढ़ इलाके में रहते है। मां वहीं नौकरी करती है।

रोहकत। मौके पर जांच करते पुलिस अधिकारी व एफएसएल टीम डॉ सरोज दहिया ।

सोशल मीडिया पर एक्टिव थी हिमानी

हिमानी नरवाल सोशल मीडिया पर एक्टिव थीं। इंस्टाग्राम पर उसके 14 हजार से ज्यादा फॉलोअर हैं। उसने इंस्टाग्राम अकाउंट पर करीब 1649 पोस्ट डाली हैं। लास्ट पोस्ट 20 फरवरी 2025 को एक युवक के साथ अपलोड की थी, जिसमें भाई को जन्मदिन की बधाई दी थी। नए साल पर भी अपनी फोटो अपलोड की थी। इसके अलावा उसका फेसबुक अकाउंट था, इसमें उसने अपने ट्रैवलिंग के कुछ फोटो अपलोड किए हुए हैं। हिमानी नरवाल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर राजनीति से जुड़े हुए ढेर सारे वीडियो और फोटो डाले हुए हैं। वह रोहतक से कांग्रेस विधायक भारत भूषण बत्रा के समर्थन में लगातार प्रचार करती दिखाई देती थीं, वहीं बीजेपी को लेकर भी कटाक्ष करते हुए पोस्ट करतीं थीं।

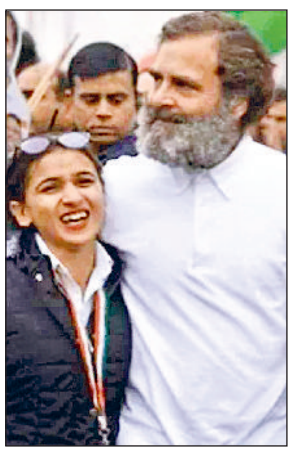

रोहकत। राहुल गांधी व सांसद दीपेन्द्र हुड्डा के साथ हिमानी।

कृषि प्रसार कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों से चर्चा की

- पूरे भारत में अलग-अलग 139 जगहों पर हुआ कार्यक्रम
- मंडल प्रमुख रोहतक महेश वाधवा ने ने किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंजाब नेशनल बैंक द्वारा शनिवार को पूरे भारत में अलग-अलग 139 जगह पर कृषि प्रसार कार्यक्रम (स्वयं सहायता समूह केंद्रित) का आयोजन किया गया। बैंक के रोहतक मंडल की तरफ से यह कार्यक्रम जिला विकास भवन के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए बैंक मंडल प्रमुख रोहतक महेश वाधवा ने मुख्य अतिथि अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार का स्वागत किया। जिला अग्रणी प्रबंधक अमित जाखड़ द्वारा जिले में कार्य कर रहे स्वयं सहायता समूह के बारे में चर्चा करते हुए बैंकों द्वारा दी जा रही वित्तीय सहायता के सहारे अच्छा कार्य कर रहे समूहों के बारे में चर्चा करते हुए इनकी सदस्य महिलाओं को प्रोत्साहित किया। साथ ही अन्य समूहों को भी इस स्तर पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। बैंक के मंडल प्रमुख महेश वाधवा ने पूरे मंडल में कार्य कर रहे स्वयं सहायता समूहों के ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक व वित्तीय योगदान के सहारे जीवन शैली को बेहतर बनाने में इनकी भूमिका की सराहना की।

रोहतक एवं झज्जर से लगभग 300 महिला सदस्यों ने भाग लिया

बैंक के एसएलबीसी हरियाणा के चंडीगढ़ कार्यालय से आए उपमहाप्रबंधक जोगिंद्र सिंह ने स्वयं सहायता समूहों के गठन पर बल देते हुए बैंक की तरफ से दी जा रही सहायता चाहे वो इनके गठन में परामर्श के रूप में हो या ऋण रूप में वित्तीय सहायता के बारे में चर्चा करते हुए उपस्थित समूह की महिला सदस्यों को अपने आस पास की महिलाओं को प्रेरित करने की बात कही। शुगर मिल महम के प्रबंध निदेशक मुकुंद ने बैंक द्वारा चलाए जा रहे इस कार्यक्रम की प्रशंसा की। कार्यक्रम में रोहतक एवं झज्जर जिले के स्वयं सहायता समूहों से लगभग 300 महिला सदस्यों ने भाग लिया। इस मौके पर मंडल कार्यालय से मुख्य प्रबंधक सुरेश कुमार, अग्रणी जिला प्रबंधक झज्जर विजय सिंह, मुख्य प्रबंधक मनीष सिन्हा सहित विभिन्न शाखाओं के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

युवक को अवैध हथियार सहित किया काबू

रोहतक। पुलिस ने युवक को अवैध हथियार सहित काबू किया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश करके तीन दिन के रिमांड पर लिया गया। सीआईए-1 प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि गांव मायना के पास से युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान दिवांशु उर्फ देबू निवासी अमृत कॉलोनी के रुप में हुई।

युवक के पास से एक पिस्तौल व एक रौंद बरामद हुआ है। युवक के खिलाफ थाना शिवाजी कॉलोनी में केस दर्ज करके गिरफ्तार किया गया है। आरोपी का पुराना आपराधिक रिकार्ड रहा है। आरोपी के खिलाफ जिला रोहतक में दो मामले दर्ज है।

पठानिया वर्ल्ड कैम्पस में कैम्ब्रिज कार्यशाला आयोजित

- कार्यशाला में लगभग 100 अभिभावकों ने भाग लिया
- सिखाने की प्रक्रिया, अध्ययन की आदतें आदि के बारे में बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पठानिया वर्ल्ड कैम्पस में नर्सरी व केजी के अभिभावकों के लिए कैम्ब्रिज कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 100 अभिभावकों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी पाठ्यक्रम के तहत बच्चों को सिखाने की प्रक्रिया, अध्ययन की आदतें और परीक्षा के पैटर्न आदि के बारे में विस्तार से बताया गया और अभिभावकों के इस नई शिक्षा प्रणाली से जुड़े सभी संदेहों को दूर किया गया। कार्यशाला के दौरान कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी अर्ली इयर सैंटर विशेषज्ञ अंकुर टंडन ने किंडरगार्टन के संदर्भ में शैक्षिक प्रणाली एवं उसके लाभ पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अभिभावकों को बच्चों की बौद्धिक व संवेदनशील क्षमताओं का विकास कैसे हो व बच्चों को अनेक क्रियात्मक, रोचक गतिविधियों में सम्मिलित करवाने के लिए प्रोत्साहित किया। स्कूल निदेशक अंशुल पठानिया ने बताया कि छोटे बच्चों की शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए। हमें बच्चों की मानसिक, शारीरिक क्षमताओं व उनकी दैनिक क्रियाकलाओं पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। इस कार्यशाला का उद्देश्य अभिभावकों को यह समझाना था कि बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा के दौरान बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अध्यापकों का सही मार्गदर्शन व स्कूल के अनुकूल वातावरण के साथ-साथ उन्हें ऐसी शिक्षा प्रणाली से जोड़ना है जो भविष्य में उन्हें एक सफल नागरिक बनने के समुचित अवसर प्रदान करे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर स्कूल निदेशक अंशुल पठानिया, को-फाउंडर वर्षा पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उपप्रधानाचार्या सुनीता मोर, हेड मिस्ट्रेस सुमन राठी, कोर्डिनेटर रजनी गुलाटी, नीरू खुराना आदि मौजूद रहे।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में वैश्य महिला कॉलेज की टीम ने पाया प्रथम स्थान

- अंतर-महाविद्यालय वाणिज्य क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा अंतर-महाविद्यालय वाणिज्य क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में वैश्य महिला महाविद्यालय रोहतक की टीम ने प्रथम, वैश्य कॉलेज रोहतक की टीम ने द्वितीय और महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रश्मि लोहचब ने विजेता टीमों को बधाई दी और आधुनिक युग में वाणिज्य की बढ़ती भूमिका एवं इसकी व्यावहारिक उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को ऐसे शैक्षणिक प्रतिस्पर्धाओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया, जिससे उनका बौद्धिक और व्यावसायिक विकास हो सके। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. सविता मलिक और डॉ. आशा खरब ने निभाई। इस अवसर पर डॉ. मोना, प्रो. रेखा, डॉ. सरिता, डॉ. सुप्रभा सहित अन्य उपस्थित रहे।

रोहद टोल की घटना: कार की टक्कर के बाद घसीटने से टोलकर्मी की मौत

बहादुरगढ़। नेशनल हाइवे पर रोहद गांव में स्थित टोल प्लाजा पर शनिवार की अल सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। यहां टोल शुल्क बचाने के लिए कार चालक ने पहले तो टोल कर्मियों से झगड़ा किया। फिर टोल कर्मी को टक्कर मारने के बाद बोनट पर काफी दूर घसीट ले गया। गंभीर चोट से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। यह घटना शनिवार की अल सुबह करीब तीन बजे हुई। दरअसल, रोहद का निवासी करीब 25 वर्षीय संजय यहां रोहद टोल पर सहायक की पोस्ट पर कार्यरत था। शुक्रवार रात ड्यूटी पर था। टोल कर्मी रोहित ने कहा है कि शनिवार की अल सुबह करीब तीन बजे रोहतक की तरफ से लाइन नंबर 13 पर बलेनो गाड़ी आई। गाड़ी पर फास्टैग नहीं था। टैक्स देने के लिए कहा तो बहसबाजी करने लगा। उसने शराब पी रखी थी और रुपये नहीं दिए। फिर गाड़ी रफ्तार के साथ भगा दी। इसी दौरान अचानक संजय गाड़ी के आगे आ गया।

अहंकार से ओंकार की यात्रा ही अध्यात्म : आचार्य दर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

समर्थगुरु सिद्धार्थ औलिया द्वारा वैज्ञानिक ढंग से निर्मित गौतम बुद्ध के अष्टांगिक मार्ग पर आधारित ध्यान योग कार्यक्रम के दूसरे दिन आज मेडिटेशन सेंटर रोहतक में समर्थगुरुधारा मुरथल के केंद्रीय समन्वयक आचार्य दर्शन ने सभी 40 साधकों को नाद दीक्षा प्रदान की। ऊंकार दीक्षा व माला दीक्षा देने के पश्चात आचार्य दर्शन ने बताया कि अहंकार से ओंकार की यात्रा ही योग है। उन्होंने कहा कि ऊंकार, जिसे हम नाम, राम, शब्द, लोगोस, बांगे-आस्मानी आदि अनेक नामों से जानते हैं, आत्मा का संगीत है। सहज योग के साधक को अपनी आध्यात्मिक यात्रा में ऊंकार के सहारे आगे बढ़ना होता है। समर्थगुरुधारा मुरथल विश्व की पहली वैज्ञानिक प्रयोगशाला है, जहां साधकों को नाद दीक्षा के माध्यम से आध्यात्मिक यात्रा के लिए प्रेरित किया जाता है। इससे पहले ध्यान योग के दूसरे दिन आचार्य डॉ. परमवीर फोगाट और आचार्य अनहद ने 'सम्यक संकल्प' और सम्यक स्वीकार पर सत्र लिए। सत्संग में 100 से अधिक साधकों ने भाग लिया। इस अवसर पर चंद्रभान गहलावत ,नरेंद्र,विजय, परमजीत, प्राचार्या मंजू शहरावत, रौनक, राहुल देशवाल, सरिता, पूजा, कशिश, अंजलि आदि ने कार्यक्रम में सम्मिलित होकर प्रसन्नता व्यक्त की।

पीएम श्री विद्यालय में बच्चों के स्वास्थ्य की हुई जांच

रोहतक। महाराजा अग्रसेन पीएम श्री राजकीय कन्या विद्यालय सांपला में तीन दिवसीय हैल्थ कैंप का समापन हो गया। इस दौरान स्वास्थ्य संबंधी पोस्टर, निबंध लेखन प्रतियोगिताएं करवाई गई। एमएचएम टीम से डॉ. आशीष, डॉ. रीतू ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच की। बच्चों को प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी दी गई। विद्यालय प्रभारी भारती शर्मा ने चिकित्सकों, विद्यालय हैल्थ एंबेसडर उषा रानी का आभार व्यक्त किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

कार्यक्रम | जाट कॉलेज की प्राचार्या ने एनएसएस शिविर में किया संबाधित

माहौल के साथ-साथ विचारों की स्वच्छता भी जरूरी: डॉ. शबनम

- एनएसएस का विद्यार्थी जीवन में महत्व पर दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आज के समय में शाब्दिक प्रदूषण रोकना जरूरी है और भाषा की स्वच्छता से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। यह विचार जाट कॉलेज की प्राचार्या डॉ. शबनम राठी ने शनिवार को एनएसएस के एक दिवसीय कैंप के दौरान वालिंटियर्स को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। सभी प्रकार की स्वच्छता का हमारे जीवन में महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्राचार्या डॉ. राठी ने कहा कि आज के समय हम सिर्फ माहौल की स्वच्छता की बात करते हैं परंतु विचारों की और भाषा की स्वच्छता अपनाने की आज बड़ी जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम छोटी-छोटी शुरुआत करके स्वच्छता के लिए देश व समाज की बड़ी सेवा कर सकते हैं।इस दौरान कॉलेज एनएसएस की पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनीषा दहिया ने एनएसएस का विद्यार्थी जीवन में महत्व पर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि एनएसएस में आना अपने आपमें सबसे अलग होना है। इसके जरिए विद्यार्थी का बहुआयामी विकास होता है और विद्यार्थी राष्ट्र निर्माण में अहम भागीदारी निभाता है। मंच का संचालन कर रहे एनएसएस के स्टेट अवार्डी वालिंटियर्स जतीन मलिक ने विद्यार्थियों को राष्ट्रसेवा के प्रति प्रेरित किया।

रोहतक। कैंप के मौजूद प्राचार्या डॉ. शबनम राठी व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारीगण।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जसमेर सिंह, डॉ. विवेक दांगी, डॉ. शीशपाल राठी, डॉ. संजीत, डॉ. मोनिका दहिया व सभी वालिंटियर्स उपस्थित रहे।

विज्ञान ही हमारे जीवन का आधार

- छात्रों को रमन प्रभाव के महत्व और इसके वैज्ञानिक पहलुओं की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सांगवान इंटरनेशनल स्कूल में महान वैज्ञानिक डॉ. सीवी रमन के सम्मान में विज्ञान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर छात्रों को रमन प्रभाव के महत्व और इसके वैज्ञानिक पहलुओं की जानकारी दी गई। प्रधानाचार्या मनीषा सांगवान ने डॉ. सीवी रमन की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित किए। उन्होंने छात्रों को विज्ञान के क्षेत्र में रुचि बढ़ाने और नित नए प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। रसायन विज्ञान के अध्यापक सोनल कांत ने विज्ञान से जुड़े रोचक प्रयोगों का प्रदर्शन किया और कहा कि विज्ञान ही हमारे जीवन का आधार है, हमें किसी अंधविश्वास या पाखंड में नहीं फंसना चाहिए। छात्रों ने भी विज्ञान पर आधारित मॉडल और प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्या ने छात्रों को विज्ञान के प्रति जागरूक रहने और नए आविष्कारों की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक राजेश सांगवान, प्रधानाचार्या मनीषा सांगवान, स्कूल कोऑर्डिनेटर परमिला सांगवान आदि उपस्थित रहे।

एक गोली खाइए फिट हो जाइए

अपने शरीर को हेल्दी-फिट रखने के लिए अच्छी डाइट के साथ रेग्युलर एक्सरसाइज को जरूरी माना जाता है। लेकिन वैज्ञानिकों ने हाल में एक ऐसी गोली बनाने में सफलता हासिल की है, जिसे खाने से 10 किमी. दौड़ने के बराबर का एक्सरसाइज बेनिफिट मिल जाएगा। कैसी है ये कमाल की गोली, कैसे करेगी काम और किसके लिए होगी फायदेमंद, आप जरूर जानना चाहेंगे।

कवर स्टोरी

डॉ. माजिद अलीम

अच्छी सेहत के लिए डॉक्टर से लेकर फिटनेस एक्सपर्ट और अनुभवी लोग भी एक ही सुझाव देते हैं-डेली एक्सरसाइज कीजिए। लेकिन अगर कोई इतना अशक्त हो कि वो हाथ-पैर हिला ही नहीं पाए तो वो क्या करे? विज्ञान ने ऐसे व्यक्ति के लिए भी अब रास्ता निकाल लिया है कि वह एक इंच हिले बिना भी अच्छे वर्कआउट का स्वास्थ्य लाभ अर्जित कर सकता है।

बना ली गई करामाती गोली

डेनमार्क देश की आरहुस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक पिल (गोली) विकसित की है, जो शरीर में 10 किमी. दौड़ के मेटाबॉलिक (पाचन) प्रभाव जितना असर पैदा कर सकती है, वह भी बिना पसीना बहाए। 'पफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री' नामक जर्नल में इस शोध उपलब्धि को प्रकाशित किया गया है। इसके मुख्य शोधकर्ता और केमिस्ट डॉ. थॉमस पौल्सेन ने बताया, 'हमने एक मॉलिक्यूल विकसित किया है, जो शरीर में कड़ी एक्सरसाइज और फास्टिंग (व्रत) की मेटाबॉलिक प्रतिक्रिया की नकल उत्पन्न कर सकती है। यह मॉलिक्यूल शरीर को उस मेटाबॉलिक अवस्था में ले आता है, जो कि खाली पेट तेज रफ्तार 10 किमी. की दौड़ के समान होता है।' इस मॉलिक्यूल को नाम दिया गया है-लाके। फिलहाल, इसे लैब में चूहों पर टेस्ट किया जा रहा है, जिनमें टॉक्सिसिटी के कोई चिन्ह दिखाई नहीं दिए हैं। ध्यान देने वाला तथ्य यह है कि लाके ने टॉक्सिंस शरीर से फ्लश आउट कर दिए और इससे उनका हार्ट मजबूत भी हो गया।

बनती रही हैं ऐसी दवाएं

'एक्सरसाइज पिल' का विचार एक दशक से अधिक समय पूर्व से चर्चा में रहा है। अनेक शोधकर्ता उन कंपाउंड्स से प्रयोग कर रहे हैं, जो तीव्र फिजिकल एक्टिविटी के बायोलॉजिकल प्रभावों का मुकाबला कर सकें। लाके एकमात्र पिल नहीं है, जो वर्कआउट के लाभ प्रदान करती है। पिछले साल फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एसएलयूपीपी-332 नामक कंपाउंड विकसित किया था, जिसने चूहों में मेटाबॉलिज्म और सहनशीलता में इतनी वृद्धि की कि वह पहले की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक दौड़ने लगे। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक और फार्मेसी के प्रोफेसर थॉमस बर्रिस के अनुसार, 'यह कंपाउंड बुनियादी तौर पर स्केलटेल मांसपेशियों को बताता है कि वह वही परिवर्तन लाएं, जो स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान देखने को मिलता है।'

'द गार्जियन' के अनुसार सैन डिएगो के सालक इंस्टिट्यूट ने 2008 में जीडब्लू 501516 (संक्षेप में 516) ड्रग विकसित की। यह मुख्य जींस को संकेत भेजती है कि शुगर की जगह फैट को बर्न करे। लेकिन इस ड्रग का एक वैरिएंट धावकों के लिए डोपिंग ड्रग बनकर रह गया। फिर 2015 में कंपाउंड 14 नामक एक अन्य ड्रग विकसित की गई, जिससे यह बात प्रकाश में आई कि यह मोटे चूहों का ग्लूकोज टॉलरेंस बेहतर करके वजन कम कर सकती है। यह सभी प्रयोग चिकित्सा विज्ञान ड्रग्स के उस वर्ग से संबंधित हैं, जिसे 'एक्सरसाइज मिमेटिक्स' कहते हैं, जो आवश्यक रूप से शरीर में उन अलग-अलग मार्गों को सक्रिय करते हैं, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक्सरसाइज से प्रभावित होते हैं। इन ड्रग्स में क्षमता है कि अल्झाइमर, पार्किंसन और डिमेंशिया को होने से देर तक रोके रखें और मधुमेह, मोटापे की रोकथाम में भी मदद करें।

अक्षम लोगों के लिए होगी वरदान

एक बार जब इस दवा के इंसानों पर ट्रायल पूरे हो जाएंगे तो इनमें से कुछ ड्रग्स को वजन कम करने वाली ड्रग्स के साथ भी दिया जा सकेगा जैसे ओर्जेपिक, जो विशेष रूप से बुजुर्गों को सरकोपेनिया की स्थिति में दी जाती है ताकि मांसपेशियों की क्षति को रोका जा सके। अगर इंसानों को एक गोली से एक्सरसाइज के फायदे मिलने लगेंगे, इससे उनकी फिटनेस परफेक्ट हो जाएगी तो यह उन लोगों के लिए चमत्कार होगी, जो फिजिकल एक्टिविटी में हिस्सा नहीं ले पाते हैं, जैसे-बुजुर्ग, शारीरिक रूप से कमजोर, दिव्यांग, जिन्हें मस्कुलर डिस्ट्रॉफी है, जिनकी कोई ऐसी सर्जरी हुई है कि मूवमेंट न कर पा रहे हों या अन्य लोग, जो गंभीर रूप से बीमार हैं।

एक्सरसाइज करना है बेस्ट

बीमार या अक्षम लोगों की बात छोड़ दें तो अन्य स्वस्थ लोगों के लिए यही बेहतर होगा कि वे सुबह देर तक यह सोचकर न सोते रहें कि पलंग पर पड़े हुए गोली खाकर फिट हो जाएंगे। उनके लिए यही उचित होगा कि मैदान में निकलें, वॉकिंग करें, रनिंग करें या मनपसंद एक्सरसाइज करें। इस बात को समझ लेना चाहिए कि फिजिकल एक्सरसाइज का कोई विकल्प नहीं है, उससे न केवल शरीर स्वस्थ बनता है, मन भी प्रसन्न और ऊर्जावान रहता है। *

एक्सरसाइज का शरीर पर रिएक्शन

इस दवा के एक्शन को समझने से पहले यह जानना जरूरी है कि एक्सरसाइज की शरीर पर क्या प्रतिक्रिया होती है और लाके उसकी कैसे नकल करता है? खाली पेट कड़ा वर्कआउट, ब्लड प्लाज्मा के स्तर पर लेक्टेट रसायन में तेजी से वृद्धि कर देता है, इसके बाद बीटा-हाइड्रोक्सीबूटीरेट (बीएचबी) नामक एक अन्य रसायन कीटोन में धीरे-धीरे वृद्धि करता है। कीटोन जिगर में उस समय बनते हैं, जब पर्याप्त ग्लूकोज की अनुपस्थिति में शरीर जिगर में ऊर्जा के लिए फैट को तोड़ता है। ये दोनों रसायन भूख को कम करते हैं। साथ ही हृदय रोगों, टाइप 2 डायबिटीज के खतरों को भी कम करते हैं। इसके अलावा दिमागी फंक्शन को बेहतर करते हुए डिप्रेशन को कम करते हैं। ये सब फायदे केवल डाइट से हासिल नहीं हो सकतीं, क्योंकि जिस मात्रा में लेक्टेट और बीएचबी की जरूरत होती है, उससे अनावश्यक बायप्रोडक्ट्स जैसे नमक और एसिड मिल जाते हैं। कृत्रिम रूप से तैयार लाके से ये रसायन, ओरली मिल जाते हैं, बिना हानिकारक साइड इफेक्ट्स के।

जरूरी नहीं है कि जो व्यक्ति खूब हंसता-मुस्कुराता नजर आए, वो वास्तव में मन से खुश है। उदासी को मुस्कान से ढंकने वाले लोग स्माइलिंग डिप्रेशन के शिकार हो सकते हैं। ऐसे लोगों को घर-परिवार से लेकर वर्कप्लेस तक, सपोर्ट की जरूरत होती है।

मुस्कान से ढंकी उदासी स्माइलिंग डिप्रेशन

लाइफस्टाइल

मोनिका शर्मा

दुःख भी हंसी की ओट ले सकता है। टूटते-बिखरते दिल को थामकर भी सधी सी बातें की जा सकती हैं। उलझनों में घिरकर भी सुखद एहसास लोगों के सामने रखे जा सकते हैं। दरअसल, इंसान का व्यवहार हालात के मुताबिक कई रंग ओढ़ लेता है। कभी इसका कारण अपनों की बेरुखी होती है तो कभी समाज से मिला बेगानापन। ऐसे में कुछ लोग अपने आप तक सिमटने की राह चुन लेते हैं। चुप्पी के तले एक शोर गूंजता है पर सुनाई किसी को नहीं देता। ठहाकों को साथ रखने के बावजूद मन में सब कुछ ठहर गया होता है। यही स्थिति स्माइलिंग डिप्रेशन कही जाती है।

अवास्तविक छवि का आवरण: मौजूदा दौर में हर मोर्चे पर अवास्तविक सी छवि बनाते लोग अवसाद को भी मुस्कुराहटों की परतों तले छिपाने लगे हैं। जीवन की हर छोटी-बड़ी गतिविधि को अपनों-परायों तक पहुंचाते आभासी परिवेश में मुस्कुराते चेहरों के पीछे छिपी मुरझाती मनःस्थिति कोई नहीं देख पाता या यूं कहें कि देखना भी नहीं चाहता। न ही इन परिस्थितियों को जी रहा इंसान स्वयं यह सच किसी को दिखाना चाहता है। विज्ञान की भाषा में स्माइलिंग डिप्रेशन कहा जाने वाला यह व्यवहार अब हर उम्र के लोगों की जीवनशैली का हिस्सा है। हंसता-खिलखिलाता अंदाज पीड़ादाई अनुभूतियों का आवरण बन गया है। अपनों-परायों के सामने ठहाके लगाते बहुत से चेहरे, अपने भीतर सुस्ती, थकान और अकेलेपन से जूझते हुए जीवन बिता रहे हैं। उनका मन-मस्तिष्क नाउम्मीदी और नकारात्मता के घेरे में है। मुरझाता मन और मुस्कुराता चेहरा, बहुत से लोगों के लिए सब कुछ होकर भी कुछ न होने के हालातों को बयान करने वाला बर्ताव है। चिंतनीय है कि अब ऐसे लोगों का आंकड़ा बढ़ रहा है। नकलीपन का आवरण असली भावों को छिपाने लगा है। यही कारण है कि हर ओर दिखती बेहतरी के बावजूद मन से बीमार होते लोगों की संख्या बढ़ी है।

बदल गया परिवेश: सवाल यह है कि मन की टूटन को छिपाने का यह परिवेश आखिर कैसे बन गया? क्यों हर व्यक्ति को यह लगने लगा कि दुःख को बताने-जताने से कहीं अच्छा हंसते-खिलखिलाते हुए लोगों का सामना करना है। किस तरह यह आवरण बड़े-बुजुर्गों की पीड़ा से लेकर बच्चों की मानसिक उलझन तक पर पर्दा डालने का माध्यम बन गया है? क्यों किसी के मन को समझने-जानने की कोशिश नहीं की जाती? जबकि यह अवसाद का ही एक रूप है। ऐसा डिप्रेशन, जिसमें इंसान अपने मन के विषाद को छिपाने के लिए हर जगह, हर हाल में हंसता रहता है। खुशहाल नजर आता है। सार्वजनिक जीवन में जिंदादिल दिखते ऐसे लोग निजी जीवन में अकेलेपन के स्याह साये से जूझते हैं। अध्ययन बताते हैं कि स्माइलिंग डिप्रेशन की समस्या से ग्रस्त व्यक्ति सुखी और संतुष्ट दिखता जरूर है, पर भीतर ही भीतर अवसाद से जूझता है। यही कारण है कि स्माइलिंग डिप्रेशन को हाई फंक्शनिंग डिसऑर्डर भी कहा जाता है। ध्यातव्य है कि हाई-फंक्शनिंग डिसऑर्डर के अंतर्गत ऐसी मानसिक समस्याएं आती हैं, जिनमें व्यक्ति सामान्य दिखने के बावजूद अंदर से बीमार रहता है। एक तरह का क्रॉनिक डिप्रेशन कहे जाने वाले इस डिसऑर्डर का शिकार इंसान आम जीवन को सामान्य ढंग से जीते हुए भावनात्मक रूप से असहजता का अनुभव करता है। खुशमिजाजी के पीछे गहरा खालीपन होता है।

सहयोग-संवेदना ओं की कमी: आज के दौर में बिना लाग-लपेट मन की बात कहने का माहौल, घर हो या बाहर कहीं नहीं दिखता। न दुःख साझा करने का भाव दिखता है और न समझने का। यही कारण है कि लोग चुपचाप अपनी पीड़ाओं से जूझने लगे हैं। हर हाल में सहज दिखते हैं। हर परिस्थिति में प्रसन्नता जाहिर करते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि व्यक्तिगत जीवन में चुना जा रहा यह असामान्य व्यवहार असल में असंवेदनशील होते सामाजिक-पारिवारिक परिवेश का मुखौटा उतारने वाला है। हम अचानक किसी के आत्महत्या जैसा कदम उठा लेने पर चकित तो होते हैं पर समय रहते तकलीफ साझा करने की पहल नहीं करते। दुखद है कि मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालने वाली इन स्थितियों को आज भी गंभीरता से नहीं लिया जाता।

मदद की है दरकार: जरूरी यह है कि वर्किंग प्लेस से लेकर घर-परिवार और आस-पड़ोस तक, स्माइलिंग डिप्रेशन से जूझते लोगों के बर्ताव को समझकर उनका साथ दिया जाए। ऐसी दबी-छुपी समस्याओं को लेकर अब सभी को यह समझना होगा कि कुछ न कहना, सब कुछ कहने जैसा है। जैसे भी संभव हो ऐसे लोगों की मदद की उचित राह तलाशना बेहद आवश्यक है। *

गजल

अवतार सिंह अक्षरजीवी

खुल के बात कर

छुपाने की जरूरत नहीं, खुल के बात कर
पर पूरी शिद्दत से किसी एक से बात कर

अगर मेरा प्यार तुझे मुतमइन नहीं करता
तुझे जिससे खुशी मिले, तू उससे बात कर

मैं मोहब्बत करुंगा पर मेरी शर्तों पर
या तो मुझसे बात कर, या सबसे बात कर

तेरी मुस्कुराहट मेरी मिलकियत है और मैं
नहीं चाहता तू दूसरों से हंस-हंसके बात कर

अपने दिल में पूरी दुनिया को जगह मत दे
गैरों से एक दूरी एक दायरा रखके बात कर

मेरी मोहब्बत के पिंजरे में तालाबंद नहीं है
या तो उड़ जा या फिर अंदर रहके बात कर

कहानी

संजीव जायसवाल 'संजय'

वह अपनी बच्ची को घुमाने के लिए पार्क में जहां भी जाता, गुब्बारे बेचने वाला एक लड़का वहां पहुंच जाता। एक दिन खीझकर उसने गुब्बारे वाले को डपट दिया। इस पर उस लड़के ने जो कहा, वह बेहद शर्मिंदा महसूस करने लगा। मन को छूती एक मार्मिक कहानी।

गुब्बारे वाला

बाबूजी, गुब्बारा ले लीजिए' अचानक वही दुबला-पतला लड़का एक बार फिर सामने आकर खड़ा हो गया।

'मुझे नहीं लेना, चलो भागो यहां से।' मैंने झल्लाते हुए उसे डपट दिया।

'ले लीजए न बाबूजी, देखिए कितने अच्छे गुब्बारे हैं! लाल, हरे, नीले, पीले हर रंग के प्यारे-प्यारे गुब्बारे। बिटिया को बहुत पसंद आएंगे।' उसने जोर देते हुए कहा।

मैं उसे दोबारा डपटने जा ही रहा था कि रचना तुतलाते हुए बोली, 'पापा, जे पीला वाला गुब्बारा बौत अच्छा है.. इछे दिला दीजिए।'

मैं रचना की कोई बात नहीं टालता था। अतः न चाहते हुए भी उसे गुब्बारा दिलवाना पड़ा। वो लड़का एक रुपया लेकर खुशी-खुशी वहां से चला गया।

पिछले महीने पत्नी (दीप्ति) की मौत के बाद रचना की पूरी जिम्मेदारी मेरे ऊपर आ गई थी। मैं रोज शाम उसे गोद में लेकर पार्क में आ जाता था। पार्क की इस बेंच पर बैठ कर मुझे बहुत शांति मिलती थी क्योंकि दीप्ति की यह पसंदीदा जगह हुआ करती थी। यहां आकर मुझे ऐसा लगता, जैसे वो मेरे साथ बैठी हो। मैं घंटों उसकी याद में खोया रहता।

पिछले कुछ दिनों से इस गुब्बारे वाले के कारण मुझे बहुत कोफ्त होने लगी थी। मैं इस बेंच पर आकर बैठता ही था कि यमदूत की तरह वह आ धमकता। बिना गुब्बारे बेचे टलता ही न था। उसे देखकर ही मुझे उलझन होने लगती थी।

एक दिन तंग आकर मैंने तय कर लिया कि कल से इस बेंच पर बैठूंगा ही नहीं। पार्क में बैठने के लिए मैंने पेड़ों के झुरमुट के पीछे एक दूसरी जगह तलाश ली थी। वहां लोगों की दृष्टि कम ही पड़ती थी, इसलिए वहां काफी शांति थी।

अगले दिन मैं रचना के साथ वहां जाकर बैठ गया। धीरे-धीरे आधा घंटा बीत गया। मैं मन ही मन खुश था कि आज गुब्बारे वाले लड़के ने मेरी शांति भंग नहीं की। तभी वह लड़का भूत जैसा वहां आ टपका, 'अरे, बाबूजी, आप यहां बैठे हैं। मैं समझा कि आज आप आएंगे ही नहीं।' फिर अपने गुब्बारों का झुंड रचना की तरफ बढ़ाते हुए बोला, 'बिटिया रानी, कौन-सा गुब्बारा दूं?'

'अबे, बिटिया रानी के भइया.., तू मुझे चैन से बैठने क्यों नहीं देता? जहां जाता हूं वहां आ धमकता है। क्या तेरे पास और कोई जगह नहीं है?' मैंने उसे बुरी तरह फटकार दिया।

डांट खाकर उस लड़के की आंखें छलछला आईं। वह उन्हें पोंछते हुए बोला, 'बाबूजी, माफ करिएगा, आपको दुख पहुंचाने का मेरा कोई इरादा नहीं था। कुछ दिनों पहले एक दुर्घटना में मेरे माता-पिता की मृत्यु हो गई थी। मेरे पास स्कूल की फीस भरने के लिए पैसे नहीं हैं। इसीलिए रोज शाम पार्क में गुब्बारे बेचने चला आता हूं। जिनकी गोद में बच्चे होते हैं, वे आसानी से गुब्बारे खरीद लेते हैं। इसीलिए आपके पास आ जाता था।'

इतना कहकर वह लड़का वहां से जाने लगा। मुझे अपने व्यवहार पर बहुत आत्मग्लानि हुई। मेरे दुख से उसका दुख ज्यादा बड़ा था। मैंने उसे आवाज देकर बुलाया और 100 रुपए का नोट उसकी तरफ बढ़ाते हुए कहा, 'इसे रख लो।'

'यह किसलिए?' उस लड़के का स्वर कांप उठा।

'तुम्हारी फीस के काम आएंगे' मैंने उसे समझाने का प्रयास किया।

यह सुनकर उस लड़के की आंखें एक बार फिर छलछला आईं। वह भर्राए स्वर में बोला, 'बाबूजी, मैं बेसहारा जरूर हूं, मगर भिखारी नहीं।'

'मेरा यह मतलब नहीं था, मैं तो सिर्फ तुम्हारी मदद करना चाहता था।' मैंने बात संभालने की कोशिश की।

उस लड़के ने पल भर के लिए मेरी ओर देखा फिर बोला, 'अगर आप मदद करना चाहते हैं तो सिर्फ इतना वादा कीजिए कि फिर कभी किसी गरीब को दुत्कारेंगे नहीं।'

इतना कह कर वह तेजी से वहां से चला गया। मैं चुपचाप बैठा रहा। मेरे अंदर इतना साहस नहीं बचा था कि उसे रोक सकूं। उसके आगे मैं अपने को बहुत छोटा महसूस कर रहा था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कारुणिक उजाला फैलाती दियासलाई

इस दुनिया में कई लोग अपने जीवनकाल में ही किंवदंती जैसे बन जाते हैं। वर्ष 2014 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी, ऐसी ही शख्सियत हैं। मध्य प्रदेश के छोटे से शहर विदिशा में जन्म लेने वाले कैलाश शुरू से ही देश, समाज और दुनिया में प्रताड़ना, हिंसा और शोषण के शिकार बच्चों के लिए कुछ करना चाहते थे। इसी मनो-संकल्प का यह परिणाम हुआ कि इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद भी उन्होंने अपना जीवन बच्चों की सुरक्षा और उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। अपनी पांच दशक से अधिक की इस यात्रा में उन्हें किन-किन पड़ावों से गुजरना पड़ा, व्यक्तिगत-पारिवारिक जीवन में कैसे संघर्ष करने पड़े, किस-किस तरह के आरोप-आक्षेप सहने पड़े, कितनी बार अपने प्राणों को भी संकट में डालना पड़ा, इन तमाम अनुभूतियों और भोगे हुए यथार्थ को उन्होंने अपनी आत्मकथा में संजोया है। हाल में ही उनकी आत्मकथा 'दियासलाई' पुस्तक के रूप में प्रकाशित होकर आई है। इस किताब में ऐसे अनेक प्रसंग मौजूद हैं, जिससे साबित होता है कि कोई साधारण व्यक्ति, केवल अपने विचार, कर्म और महान जीवन उद्देश्य से ही असाधारण बन सकता है।

पुस्तक: दियासलाई (आत्मकथा), **लेखक:** कैलाश सत्यार्थी, **मूल्य:** 599 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

दियासलाई जैसी छोटी सी चीज में भी कितनी संभावना व्याप्त हो सकती है, कैसे वो समाज में करुणा का उजाला प्रसारित कर सकती है, इस आत्मकथा का शीर्षक इसे साबित करता है। अच्छी बात यह है कि इस आत्मकथा में लेखक ने अपनी कमजोरियों को भी सहजता से स्वीकार किया है। कहीं भी खुद को महान या दोषरहित सिद्ध करने की कोशिश नहीं की है। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

मस्ती के साथ कराए दिमागी वर्जिश भूल-भुलैया

आजकल वीडियो गेम्स और मोबाइल गेम्स में तमाम ऐसे खेल खूब चाव से खेले जाते हैं, जिनका बेस भूल-भुलैया होता है। सदियों से देश-दुनिया में अनेक ऐसे भूल-भुलैया बनाए जाते रहे हैं, जो रोमांचक अनुभव दिलाने के साथ ही दिमागी वर्जिश भी खूब कराते हैं। यहां बता रहे हैं, दुनिया में प्रसिद्ध भूल-भुलैया कहां हैं, उनकी क्या विशेषता है, इनकी शुरुआत कैसे हुई और इनके प्रकार से जुड़ी रोचक बातें।

एंज्वॉयमेंट / शिखर चंद जैन

आपने लखनऊ के इमामबाड़ा में, किसी फन पार्क या म्यूजियम में या किसी टूरिस्ट प्लेस पर भूल-भुलैया को जरूर एंज्वॉय किया होगा। पत्र-पत्रिकाओं में पजल सॉल्व करने के लिए भी इसका खूब प्रयोग किया होगा। इनकी विशेषताएं और उपयोगिताएं बहुत अनोखी होती हैं।

पौराणिक काल में मिले हैं प्रमाण

13वीं सदी की ग्रीक पौराणिक कथाओं में भी भूल-भुलैया जैसी संरचना और गतिविधियों के प्रमाण मिलते हैं। शुरू-शुरू में इन्हें भ्रमित करने या खेलने के लिए नहीं बल्कि आगंतुकों को आध्यात्मिक यात्रा पर भेजने के लिए बनाया गया था। इसका उद्देश्य उनके मन को शांत करना और आत्मनिरीक्षण करने के लिए था। इसमें एक ही घुमावदार रास्ते का अनुसरण किया जाता था।

बहुत पुराना है कॉन्सेप्ट

सबसे पहले भूल-भुलैया का दर्ज इतिहास, मिस्र में 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व का मिलता है। प्राचीन यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस ने मिस्र की भूल-भुलैया का दौरा करने का दावा किया और इसे एक घुमावदार इमारत के रूप में वर्णित किया। ये हजारों कमरों से बनी थीं, जिनमें से कई भूमिगत थे और जिनमें मिस्र के राजाओं की कब्रें भी थीं। उन्होंने लिखा कि यूनानियों के सभी काम और इमारतें एक साथ मिलकर भी श्रम और खर्च के मामले में निश्चित रूप से इस भूल-भुलैया से कमतर होंगी। मध्यकाल तक दुनिया के 25 कैथेड्रल चर्च में भी ऐसी संरचनाएं हुआ करती थीं। यूरोप और अमेरिका के प्राचीनतम चित्रों और पेंटिंग्स में भी इनके होने के प्रमाण मिले हैं।

ध्यान के लिए भूल-भुलैया

मनोरंजक गेम के रूप में इस्तेमाल करने के साथ-साथ स्ट्रेस और एंग्जायटी दूर करने के लिए भी इसका उपयोग किया जाता है। दुनिया में कई जगह भूल-भुलैया का उपयोग वॉकिंग मेडिटेशन के लिए किया जाता है। भूल-भुलैया का उपयोग दुनिया भर में मन को शांत करने, मन को एकाग्र करने, चिंताओं से मुक्ति पाने, जीवन में संतुलन बनाए रखने, रचनात्मकता को बढ़ाने और ध्यान, सेल्फ रिफ्लेक्शन और तनाव को कम करने के लिए किया जाता है।

दो प्रकार के भूल-भुलैया

भूल-भुलैया के दो प्रकार माने जाते हैं। एक है लिबरिंथ और दूसरा हेज। लिबरिंथ अपेक्षाकृत आसान होती है। पर इसकी क्लासिकल डिजाइन इसे विशेष बनाती है, जबकि हेज पारंपरिक भूल-भुलैया है। यह जटिल होने के साथ-साथ इसमें लोगों के खो जाने की भी आशंका होती है। लिबरिंथ भूल-भुलैया एकतरफा होती हैं, जबकि हेज भूल-भुलैया शाखाओं में बंटी होती है। इसीलिए यह कठिन होती है।

दुनिया भर में हैं भूल-भुलैया

भूल-भुलैया का प्रचलन दुनिया भर में है। 90 से ज्यादा देशों में 6400 लिबरिंथ हैं। ब्रिटेन, अमेरिका जैसे देशों में इन से जुड़ी साप्ताहिक गतिविधियां होती हैं। यहां स्थानीय पार्क के अलावा अस्पतालों में भी लिबरिंथ बनाई गई हैं। 16वीं शताब्दी से शुरू होकर, यूरोपीय राजघरानों ने अपनी संपत्ति पर विस्तृत हेज भूल-भुलैया बनाना शुरू कर दिया। भूल-भुलैया का उद्देश्य मनोरंजन करना था, साथ ही गुप्त बैठकों के लिए निजी, दूर-दराज के स्थान प्रदान करना था।

सबसे बड़ा-कठिन भूल-भुलैया

1980 के दशक में, चित्रकार क्रिस्टोफर मैनसन ने घोषणा की थी कि उनकी भूल-भुलैया पुस्तक में पहेली को सुलझाने वाले पहले व्यक्ति को 10,000 डॉलर का पुरस्कार दिया जाएगा। 45 पन्नों की इस सचित्र पुस्तक का शीर्षक है 'भूल-भुलैया: दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण पहेली को सुलझाएं।' इसमें पाठकों से एक काल्पनिक घर के केंद्र तक पहुंचने का रास्ता खोजने और रास्ते में पहेलियां सुलझाने को कहा गया था। हालांकि यह काम अपेक्षाकृत सरल लग रहा था, लेकिन पहेलियां बेहद कठिन थीं। पहले विजेता को इसका हल ढूंढ़ने में लगभग दो साल लग गए थे। कुछ वर्ष पहले तक सबसे बड़ा अस्थायी मकई भूल-भुलैया 60 एकड़ में फैला हुआ था। 2014 में, कैलिफोर्निया के डिक्सन स्थित कूल पैच पंपकिंस के आगंतुकों को विशाल, घुमावदार अस्थाई भूल-भुलैया का आनंद लेने का अवसर मिला, जिसके बारे में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने पुष्टि की कि यह अब तक की सबसे बड़ी भूल-भुलैया थी। यह इतना बड़ा था कि कई पर्यटकों ने इसमें खो जाने के बाद अपनी सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबरों पर कॉल भी किया।

ये भी हैं दिलचस्प भूल-भुलैया

दुनिया की सबसे बड़ी हेज भूल-भुलैया में लगभग 2.5 मील लंबे रास्ते हैं। डोल प्लांटेशन का विशाल अनानास गार्डन भूल-भुलैया 14,000 उष्णकटिबंधीय पौधों से बनाया गया है। इसे 2008 में दुनिया में सबसे लंबा घोषित किया गया था। 2012 में, कलाकारों ने 250,000 किताबों से एक भूल-भुलैया बनाई। लंदन में पॉप-अप इंस्टॉलेशन 'अमेजमी' नाम से सैकड़ों स्वयंसेवकों द्वारा चार दिनों में बनाया गया था। इसे देखने वालों ने क्लासिक साहित्य का आनंद लिया। ब्राजील के कलाकार मार्कोस सबोया और गुआल्टर पुपो ने इस संरचना को स्पेनिश भाषा के लेखक जेएल बोर्गेस के फिंगरप्रिंट के आकार की नकल करने के लिए डिजाइन किया था। *

वीडियो गेम्स में भूल-भुलैया

कई शुरुआती वीडियो गेम्स में भी भूल-भुलैया बनाई जाती थी। 1970 के दशक में, पेन-एंड-पेपर भूल-भुलैया वाली किताबें चलन में आ गई थीं। बच्चे और वयस्क समान रूप से अलग-अलग भूल-भुलैया चित्रों के माध्यम से एक रेखा खींचते थे, जितना संभव हो, उतना कम गलत मोड़ लेने की कोशिश करते थे। लगभग उसी समय, शुरुआती वीडियो गेम कंपनियों ने सरल 2D भूल-भुलैया गेम बनाना शुरू कर दिया, जो पेन-एंड-पेपर गेम के समान ही थे, जिसमें भूल-भुलैया या भूल-भुलैया पहेलियों के माध्यम से दौड़ शामिल थी।

अपने कुदरती सौंदर्य के लिए देश के मशहूर हिल स्टेशंस में सिक्किम का अलग ही महत्व है। बीती फरवरी में लेखक ने अपनी सिक्किम यात्रा के दौरान कई बेमिसाल नजारों का दीदार किया। उन अनुभवों को यहां साझा कर रहे हैं अपनी जुबानी।

लाजवाब-मनमोहक सिक्किम के नजारे

यात्रा-अनुभव / समीर चौधरी

मेरा मानना है कि सैर करने वाले मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं। एक, जो बिना किसी योजना के यात्रा करते हैं। वह बिना किसी एजेंडा के ट्रिप पर निकल जाते हैं और प्रतीक्षा करते हैं कि नई लोकेशन और नजारे उनके सामने अपने आप खुलते चले जाएंगे। दूसरे प्रकार के पर्यटकों में इस किस्म का समभाव नहीं होता है। वे अपनी छुट्टियां मनाने के लिए निश्चित कार्यक्रम बनाते हैं और उसी के अनुसार चलने का प्रयास करते हैं। मैं खुद को दूसरी श्रेणी में रखता हूं। लेकिन मेरी यह धारणा हाल में की गई सिक्किम यात्रा के बाद बदल गई।

सिक्किम टूर की प्लानिंग: हालांकि बचपन में मैं कई बार मसूरी जैसे हिल स्टेशन की यात्रा कर चुका हूं। लेकिन उससे आगे का हिमालय क्षेत्र मेरे लिए रहस्य ही रहा है। इस कमी को पूरा करने के लिए मैं हाल ही में एक सप्ताह के लिए सिक्किम की यात्रा पर गया। मैंने अपना कार्यक्रम बनाने में अधिक समय बर्बाद नहीं किया और जल्दी से इस पहाड़ी राज्य की टॉप साइट्स चुन लिया, जहां मुझे जाना था जैसे- नाथूला पास, गुरुडोंगमार झील और युमथांग घाटी।

बर्फीले सौंदर्य को देखने का सपना: फरवरी में गंगटोक (सिक्किम की राजधानी) में कड़ाके की ठंड पड़ती है। मैं सुबह के समय इस शहर में पहुंचा था। उद्देश्य सिर्फ इसे देखना ही नहीं था बल्कि मैं उम्मीद कर रहा था कि मैं बर्फीली चोटियों के बीच होऊंगा। मैंने इस समय यहां जाने का इसलिए निर्णय लिया था ताकि सिक्किम को उसके जाड़े के पूर्ण वैभव में देख सकूं, यह जानते हुए भी कि कुछ चुनौतियों का अवश्य सामना करना पड़ेगा।

नहीं देख सका कंचनजंगा: जब मैं पहुंचा तो ठंडे गंगटोक ने मेरा स्वागत किया। बादल भरे आसमान में सूरज तो बस दिल को तसल्ली भर दे रहा था। देर शाम तक मेरे मुंह से कार्बन डाइऑक्साइड गहरे जमे धुएं की तरह ऐसे निकल रही थी, जैसे मैं चेन स्मोकिंग कर रहा हूं। सिक्किम की राजधानी में मैंने बाजारों और मठों को देखा, दिन में थोड़ी-थोड़ी देर के लिए रोशनी की किरण दिख जाती थी। मेरे लिए आकर्षण के स्पॉट्स वह थे, जहां से मैं दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी (8,586 मीटर) कंचनजंगा को बिना किसी बाधा के देख सकूं। जब मैं एक ऐसे ही स्पॉट पर पहुंचा तो मेरे गाइड (जो चालक की भूमिका में भी था) ने धुंध की एक मोटी परत की ओर इशारा करते हुए कहा कि जब आसमान साफ होता है तो दूर से ही कंचनजंगा को धूप में नहाते हुए देखा जा सकता है। मैंने धुंध भरे क्षितिज को कई बार अपनी आंखों से भेदने का प्रयास किया, लेकिन अफसोस कि मैं नाकाम रहा, कंचनजंगा नहीं दिखा।

दिखे दिलकश नजारे: अगली सुबह मुझे नाथू ला जाना था। गाइड ने बताया कि भारी बर्फबारी की वजह से सड़क बंद हो गई है। नाथू ला जाने के लिए पर्यटक परमिट लेना पड़ता है। वह अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। मेरी हॉलिडे योजना पर ठंडी बर्फ गिर गई। इससे अगले दिन मुझे बताया गया कि गुरुडोंगमार झील भी नहीं जाया जा सकता। सड़कों पर से बर्फ हटाने में कई दिन लगेंगे। मुझे मेरे मनचाहे नजारों के बजाय केवल सिक्किम के जाड़ों का अहसास मिल रहा था। गाइड के सुझाव पर मैंने उत्तरी सिक्किम में छोटे से टाउन लाचुंग जाने का प्लान बनाया। मेरे गाइड ने कहा, 'जब आप इतनी दूर आ ही गए हैं तो मैं आपको बर्फ दिखाए बिना नहीं जाने दे सकता।' हम एक पतली, नागिन की तरह लहराती पगडंडी पर पहाड़ की तरफ जाने लगे। जल्द ही ढलान पर कोनिफर (शंकुधर वृक्ष) दिखाई देने लगे। जैसे-जैसे हम ऊपर चढ़ते गए पेड़ फ्रॉस्ट से मोटे होते चले गए। सड़क के दोनों किनारों पर और पहाड़ों पर कारपेट की तरह बर्फ जम गई थी। पूजा ध्वज फड़फड़ा रहे थे, शांत पुल के नीचे नदी बह रही थी।

अगली दोपहर मेरे होटल की खिड़की के बाहर की दुनिया अचानक धुंधली हो गई। हजारों रूई की गेंदें आसमान में तैर रही थीं। मुझे अपनी किस्मत पर विश्वास नहीं हो रहा था। मैं होटल के कमरे से बाहर निकल आया। एक सप्ताह की निराशा के बाद मैं स्नोफॉल देख रहा था। हर जगह बर्फ की मोटी परत जम चुकी थी। जब हम गंगटोक लौट रहे थे तो बर्फ के टुकड़े हमारी कार पर गिर रहे थे। गंगटोक से घर लौटने पर मैं सोचने लगा कि जो कार्यक्रम बनाया था, वह तो फेल हो गया, लेकिन जो अनिश्चित-अनपेक्षित देखने को मिला, वह सुंदर और यादगार था। *

जिस तरह एक समय तक अच्छी जॉब-करियर के लिए पढ़ा-लिखा होना जरूरी होता था, आज के दौर में डिजिटल लिटरेसी का करियर ग्रोथ में बहुत ज्यादा महत्व हो गया है। इसकी इंपॉर्टेंस के बारे में जानिए।

करियर ग्रोथ के लिए जरूरी डिजिटल लिटरेसी

सेल्फ इंप्रूवमेंट / कीर्तिशेखर

आज के दौर में अगर आप डिजिटली लिटरेट नहीं हैं, तो चाहे आपके पास जितनी डिग्रियां हों, चाहे जितने बुद्धिमान हों, करियर में ग्रो करना आपके लिए संभव नहीं होगा। आजकल तो करियर के मामले में लिटरेसी का मतलब ही हो गया है डिजिटल लिटरेसी।

क्या है डिजिटल लिटरेसी: डिजिटल लिटरेसी का मतलब, हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सहायक विभिन्न तकनीकों के इस्तेमाल में दक्ष होना है। तकनीकी डिवाइसेस को समझना और इन प्लेटफॉर्म्स में काम करना आना भी सही मायने में डिजिटल लिटरेसी का मतलब है।

कई करियर ऑप्शंस तक पहुंच: अगर आप डिजिटल स्किल्स में माहिर हैं, तो आपके सामने विभिन्न तरह के करियर ऑप्शंस हर समय मौजूद रहेंगे। आप ज्यादा से ज्यादा विकल्पों तक आसानी से पहुंच सकते हैं। मसलन, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिटिक्स प्रोग्रामिंग, ग्राफिक डिजाइन या कंटेंट क्रिएशन जैसे क्षेत्रों में आपके लिए भरपूर अवसर उपलब्ध रहेंगे। यही नहीं अगर आप वर्क फ्रॉम होम और गिग इकोनॉमिक्स से जुड़े हैं तो भी आपके लिए डिजिटल स्किल्स का होना बहुत जरूरी है।

बढ़ती है प्रोडक्टिविटी: अगर आप डिजिटली लिटरेट हैं तो विभिन्न तरह के डिजिटल टूल्स जैसे एक्सेल, सीआरएम सॉफ्टवेयर और गूगल वर्क स्पेस का इस्तेमाल करके अपने काम में तेजी और क्वालिटी ला सकते हैं। समय बचाने वाले उपकरण और सॉफ्टवेयर का सही उपयोग आपको कॉम्पिटिशन में आगे रखेगा और अगर आप डिजिटली एफिशिएंट नहीं हैं तो चाहे जितने पढ़े-लिखे हों और चाहे जितने इंटेलीजेंट हों, आपकी प्रोडक्टीविटी और एफिशिएंसी दोनों ही पीछे रह जाएंगी। टाइम सेविंग उपकरण और सॉफ्टवेयर का सही उपयोग आपको प्रतिस्पर्धा में आगे रखता है।

जॉब सर्च-नेटवर्किंग में सुविधा: अगर आप डिजिटल लिटरेट हैं तो लिंक्ड इन, ग्लास डोर और दूसरे जॉब प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करके अपने लिए बेहतर से बेहतर जॉब्स खोज सकते हैं। डिजिटल नेटवर्किंग के जरिए आप अपने क्षेत्र विशेष के लोगों से जुड़कर अपने लिए नए-नए अवसर पैदा कर सकते हैं। साथ ही नवीनतम ट्रेंड्स और टेक्नोलॉजी से परिचित होने के कारण न सिर्फ आपका परफॉर्मेंस अपग्रेड रहता है बल्कि लोगों के बीच इज्जत भी ज्यादा मिलती है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ब्लॉक चेन और अन्य एडवांस टेक्नोलॉजी में काम करने के लिए यह बेसिक स्किल बहुत जरूरी है।

सेल्फ एंप्लॉयमेंट में हेल्पफुल: अगर आप अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए वेबसाइट का उपयोग करना चाहते हैं, सोशल मीडिया मार्केटिंग का हिस्सा बनना चाहते हैं और ऑनलाइन पेमेंट पाने के लिए, पेमेंट गेटवे बनवाना चाहते हैं, तो आपको डिजिटली लिटरेट होना बहुत जरूरी है। आजकल ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपने प्रोडक्ट्स बेचना भी तभी संभव है, जब आप डिजिटली एक्सपर्ट होंगे।

अगर पीछे रह गए तो: अगर इतनी जरूरत साबित होने के बाद भी आप डिजिटल इलिटरेट रह जाते हैं तो इसका आपको अपने करियर में कई तरह से नुकसान उठाने पड़ सकते हैं। मसलन, डिजिटल स्किल्स न होने पर आपको जॉब से बाहर कर दिया जा सकता है। विशेषकर मार्केटिंग फाइनेंस के फील्ड में। डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल न करने पर अपने सहकर्मियों से परफॉर्मेंस में बहुत ज्यादा पिछड़ सकते हैं। डिजिटल लिटरेसी की कमी के कारण आपको अच्छी सैलरी वाली जॉब नहीं मिल सकती। खासकर जिन जॉब्स में आटोमेशन और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बहुत ज्यादा बढ़ गया है, वहां तो आपका टिकना भी मुश्किल हो सकता है। डिजिटल लिटरेसी न होने पर आपके साथ कई तरह के ऑनलाइन फ्रॉड कभी भी हो सकते हैं। *

ऐसे सुधारें डिजिटल लिटरेसी

कई तरह के उपलब्ध ऑनलाइन कोर्सेस मसलन यूडेमी, स्किल्स शेयर और कोरसेरा जैसे प्लेटफॉर्म्स का फायदा उठाएं। बेसिक कंप्यूटर स्किल्स से लेकर एडवांस टूल्स तक सब कुछ सीख सकते हैं, बशर्ते कोशिश करें। माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के विभिन्न सॉफ्टवेयर जैसे वर्ड, एक्सेल, पावर प्वाइंट और गूगल वर्क स्पेस और वीडियो कांफ्रेंसिंग एप जैसे जूम, एमएस स्ट्रीम का अभ्यास करें। इसी तरह फेसबुक, इंस्टाग्राम और लिंक्ड इन जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग करें और एसईओ, पीपीसी और कंटेंट मार्केटिंग जैसे टूल्स सीखें। इसके अलावा साइबर सुरक्षा की समझ बढ़ाएं और रियल लाइफ में ज्यादा से ज्यादा डिजिटल लाइफ की प्रैक्टिस करें। मसलन, ऑनलाइन बिल पेमेंट करें, डिजिटल कैलेंडर का इस्तेमाल करें और ई-कॉमर्स साइट्स पर शॉपिंग करें। इन गतिविधियों से आप डिजिटली लिटरेट हो जाएंगे।

शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड में प्रेम आधारित कितनी ही फिल्में बनीं और जबर्दस्त सफल हुईं। लेकिन बीते कुछ वर्षों में ऐसी कई फिल्में भी खूब हिट हुईं, जिनमें प्यार का एंगल न के बराबर था, तो क्या मान लिया जाए कि लव-बेस्ड फिल्मों का जादू कम होने लगा है?

कम हो रहा लव-बेस्ड फिल्मों का जादू!

सिने-ट्रेंड / हेमंत पाल

मोहब्बत की यादगार दास्तान 'मुगल-ए-आजम'

एक ट्रैजिक प्रेम कहानी 'देवदास'

प्रेम जीवन का ऐसा कोमल अहसास है, जिसे कहीं से भी मोड़कर उसे कथानक का रूप दिया जा सकता है। हिंदी फिल्मों की बात करें तो कई दशकों तक प्रेम, फिल्मों के लिए सबसे मुफीद विषय रहा। अब तक जितनी भी फिल्में बनीं, उनमें सबसे ज्यादा फिल्मों के विषय प्यार-मोहब्बत के इर्द-गिर्द ही घूमते रहे हैं।

फिल्मों में जरूरी तत्व रहा प्रेम: शुरुआती ब्लैक एंड व्हाइट के दौर से रंगीन फिल्मों तक में जो बात हर दौर में कॉमन रही, वो है-प्रेम कहानियां। फिल्मों की कहानी का आधार चाहे एक्शन हो, सामाजिक हो, कॉमेडी या फिर हॉरर, हर कहानी में कोई न कोई लव स्टोरी जरूर होती रही। देखा जाए तो अन्य विषयों पर बनी फिल्मों में भी कथानक को आगे बढ़ाने में प्रेम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लंबी है प्रेमाधारित फिल्मों की फेहरिस्त: हिंदी सिनेमा में अमर प्रेम कथाओं की फेहरिस्त काफी लंबी है। 'मुगले आजम', 'आवारा', 'कागज के फूल', 'प्यासा', 'साहिब बीवी और गुलाम', 'पाकीजा', 'कश्मीर की कली', 'आराधना', 'बॉबी', 'सिलसिला', 'देवदास', 'मैंने प्यार किया', 'कयामत से कयामत तक', 'एक दूजे के लिए', 'दिल है कि मानता नहीं', 'लव स्टोरी', 'साजन', 'दिल', 'उमराव जान', '1942 ए लव स्टोरी', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ-कुछ होता है', 'रंगीला', 'कल हो न हो', 'जब वी मेट', ऐसी कितनी ही फिल्मों में प्रेम को प्रमुखता से दर्शाया गया है।

दर्शकों को खूब आए पसंद 'बजरंगी भाईजान'

नए दौर की फिल्मी लव स्टोरीज: समय बदलने के साथ जैसे युवाओं की सोच बदली, उनके प्यार करने का तरीका भी बदला। इसे भी फिल्मी पर्दे पर बखूबी दर्शाया गया। नई पीढ़ी के प्रेम के रंग-ढंग को दर्शाती फिल्मों में 'रहना है तेरे दिल में', 'बचना ए हसीनों', 'सलाम नमस्ते', 'लव आजकल', 'ये जवानी है दीवानी', 'वेकअप सिड', 'अजब प्रेम की गजब कहानी', 'रॉक स्टार', 'बर्फी', 'टू स्टेट्स', 'आशिकी-टू', 'कॉकटेल', 'शुद्ध देसी रोमांस', 'तनु वेड्स मनु', 'मसान', 'तमाशा', 'ऐ दिल है मुश्किल', 'बरेली की बर्फी' जैसी अनेक फिल्मों का जिक्र किया जा सकता है।

दर्शकों को पसंद आता प्यार का अहसास: फिल्मों का कथानक कितना भी नयापन लिए हो, उसका मोहब्बत से दूर-दूर तक वास्ता न हो, फिर भी उसमें एक प्रेम कहानी जरूर पनपती है। क्योंकि प्रेम जीवन की वो शाश्वत सच्चाई है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। भारतीय दर्शक के जीवन में मोहब्बत के अलग ही मायने हैं और इन्हीं भावनाओं को वो हर पल जीता है। उसे 'मुगले आजम' की सलीम और अनारकली का इश्क कामयाब न होना उतना ही सालता है, जितना 'सदमा' में श्रीदेवी और कमल हासन का बिछड़ना! दरअसल, सामान्य जिंदगी में भी प्रेम कथाओं की कमी नहीं होती, पर दर्शक फिल्मों के जरिए अपनी मोहब्बत के अधूरे सपनों को जीता है। फिल्म बनाने वालों ने भी दर्शकों की इस कमजोरी को अच्छी तरह समझ लिया। फिल्मों के हर कथानक में एक लव स्टोरी यदि किसी फिल्म में प्रेम-प्रसंग था भी, तो महज कहानी को आगे बढ़ाने के लिए थे। 'बजरंगी भाईजान', 'सुल्तान', 'दंगल', 'रुस्तम', 'नीरजा', 'पिंक', 'कहानी', 'एयरलिफ्ट', 'निल बटे सन्नाटा', 'उड़ता पंजाब', 'एम.एस. धोनी' से लेकर 'काबिल' और 'जॉली एलएलबी-2' तक में प्रेम का एंगल न के बराबर रहा। रहा भी तो महज कथानक को आगे बढ़ाने के लिए। सलमान खान की 'बजरंगी भाईजान' और 'सुल्तान' दोनों ही फिल्मों में नायक-नायिका के बीच प्रेम तो दिखाया गया है, लेकिन ये फिल्में कहीं से भी प्रेम-कहानी नहीं है। अक्षय कुमार की 'रुस्तम' की कहानी का आधार कोर्ट केस ही रहता है। सोनम कपूर की फिल्म 'नीरजा' तो पूरी तरह एक एयर होस्टेस के कर्तव्य की कहानी है। वास्तव में प्रेम कहानी को हाशिए पर रखकर फिल्मों में कुछ नया, कुछ अलग दिखाने का ये ट्रेंड धीरे-धीरे आया और सफल भी हुआ। तो क्या ये मान लिया जाए कि हिंदी फिल्मों में मोहब्बत के कॉन्सेप्ट को लेकर दर्शकों में क्रेज नहीं रहा! ऐसी लवस्टोरीज हाशिए पर जा रही हैं! *

एयर होस्टेस के कर्तव्य की कहानी 'नीरजा'